छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg No-CHHHIN/2020/87351

डाक पंजीयन क्र. 046/Surguja Dn/2024-26

www.cgfrontline.com

वर्ष - 06 अंक - 92 बैकुंठपुर, मंगलवार 06 जनवरी 2026 पृष्ठ -8 मूल्य -1

पश्चिमोत्तरी शुष्क हवा के प्रवाह से ठंड की वापसी, 24 घंटे में न्यूनतम तापमान में 5 डिग्री की गिरावट

सोमवार की सुबह घने कोहरे के कारण दृश्यता 10-20 मीटर तक सिमटी

- **सरगुजा संभाग में शीलहर का अलर्ट, पाट क्षेत्रों का तापमान 3 डिग्री के करीब**
- **ठिठुरती ठंड में नर्सरी से 8वीं तक के बच्चे कंपकंपाते स्कूल की ओर रुख किए**

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा संभाग में एक बार फिर ठंड की जोरदार वापसी के कारण लोग दिन में भी ठिठुरने को मजबूर हो गए हैं। 24 घंटे के अंदर न्यूनतम तापमान में उल्लेखनीय गिरावट आने से शनिवार की रात का न्यूनतम तापमान जहां 9.9 डिग्री था। वहीं रविवार की रात को पारा 5 डिग्री से गिरकर 4.8 डिग्री तक पहुंच गया है। शुष्क हवाओं के साथ घने कोहरे ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। सोमवार की सुबह घने कोहरे के कारण क्षैतिज दृश्यता 10-20 मीटर तक सिमट गई थी। इन सबके बीच सोमवार की सुबह नर्सरी से 8वीं तक के बच्चे घने कोहरे व शीतलहर के बीच कंपकपाते हुए स्कूल जाते दिखे। ठंड से बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ना लाजिमी है। चिकित्सक ने भी ठंड से बचने की सलाह दी है।

सरगुजा संभाग में पश्चिमी विक्षोभ के कारण ठंड से कुछ राहत मिली थी, और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री के करीब पहुंच गया था। वहीं विक्षोभ की सक्रियता खत्म होते ही एक बार फिर उत्तरी छत्तीसगढ़ में कड़ाके की ठंड पड़नी शुरू हो गई है। मौसम वैज्ञानिक ए.एम. भट्ट ने बताया कि मौसम साफ होते ही लगातार पश्चिमोत्तरी ठंडी शुष्क हवा का प्रवाह जारी है। इस कारण रविवार की रात से न्यूनतम तापमान में गिरपवट आनी शुरू हो गई है। सोमवार की सुबह से ही घना कोहरा छाया रहा। शुष्क हवाओं के साथ घने कोहरे ने लोगों को घर से निकलना मुश्किल कर दिया था। सड़कों पर चलना मुश्किल हो रहा था। पास की वस्तुएं स्पष्ट दिखाई नहीं दे रही थी। वाहनों की रफ्तार धीमी रही। वहीं पाट क्षेत्रों की स्थिति और ही खराब थी। पाट क्षेत्रों का पारा गिरकर 3 डिग्री के करीब पहुंच गया है। सरगुजा जिले के मैनपाट व बलरामपुर जिले के सामरी पाट में एक बार फिर ओस की बूंदे जमनी शुरू हो गई हैं। सोमवार को ठंड से बचने के लिए लोगों को दिन में भी अलाव का सहारा लेना पड़ा।

संभाग शीतलहर की चपेट में

मौसम विभाग के अनुसार अभी ठंड से राहत की उम्मीद नहीं है, पारा और नीचे गिर सकता है। पूरा संभाग शीतलहर की चपेट में है। संभाग में शीतलहर व घने कोहरे का एलो अलर्ट है। आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान के साथ-साथ अधिकतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की जा सकती है।

बुजुर्ग, नवजात शिशु एवं निराश्रितों में हाइपोथर्मिया का खतरा

अत्यधिक ठंड के संपर्क में आने से बुजुर्गों, नवजात शिशुओं एवं निराश्रित व्यक्तियों में हाइपोथर्मिया की स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है। इसके अतिरिक्त ऊपरी एवं निचले श्वसन पथ के संक्रमण तथा निमोनिया के मामलों में वृद्धि की संभावना बनी रहती है। इन परिस्थितियों में कुछ जनसमूह विशेष रूप से उच्च जोखिम में रहते हैं, जिनमें 60 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्ग, नवजात एवं पांच वर्ष से कम आयु के बच्चे, गर्भवती महिलाएं, हृदय, फेफड़े, मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप से ग्रस्त रोगी, साथ ही खुले में कार्य करने वाले श्रमिक एवं निराश्रित व्यक्ति शामिल हैं। इन वर्गों को ठंड से बचाव के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरतने की आवश्यकता है।

अत्यधिक ठंड संवेदनशील वर्गों के लिए जोखिमपूर्ण

अंबिकापुर एवं उत्तर छत्तीसगढ़ क्षेत्र में वर्तमान में मौसम की स्थिति सामान्य से भिन्न बनी हुई है। रात्रि एवं प्रात:कालीन न्यूनतम तापमान सामान्य औसत से लगभग 4 से 6 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया जा रहा है, कई क्षेत्रों में तापमान 4 से 7 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंच गया है। यह स्थिति शीत लहर जैसी परिस्थितियों को दर्शाती है, जिससे मानव शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना बढ़ जाती है। चिकित्सकों के अनुसार अत्यधिक ठंड के कारण शरीर में थर्मोरेगुलेटरी असंतुलन उत्पन्न होता है, जो विशेष रूप से संवेदनशील वर्गों के लिए जोखिमपूर्ण हो सकता है। इस प्रकार की ठंड में रक्त वाहिकाओं का संकुचन होता है, जिससे रक्तचाप में वृद्धि होती है। हृदय रोगियों में कोरोनरी वेसोस्पाज्म की संभावना बढ़ जाती है, इसके परिणामस्वरूप तीव्र हृदयाघात जैसे गंभीर जोखिम उत्पन्न हो सकते हैं। श्वसन तंत्र पर ठंड का सीधा प्रभाव पड़ता है, जिससे दमा एवं सीओपीडी जैसे रोगों के लक्षणों में तीव्रता आ सकती है।

शराब शरीर के ऊष्मा को करती है कम

ठंड से होने वाले दुष्प्रभावों से बचाव हेतु नागरिकों को बहुपरत ऊनी अथवा थर्मल वस्त्र पहनने, सिर, कान, हाथ एवं पैरों को पूर्ण रूप से ढककर रखने, प्रात:कालीन एवं रात्रिकालीन अत्यधिक ठंड में अनावश्यक बाहर निकलने से बचने तथा पर्याप्त कैलोरी युक्त आहार एवं गरम तरल पदार्थों का सेवन करने की सलाह दी जाती है। ठंड से बचाव के लिए शराब सेवन को लेकर फैली भ्रांति से बचना आवश्यक है, क्योंकि शराब शरीर की ऊष्मा को बनाए रखने के बजाय उसे और कम कर देती है, अत: इसका सेवन पूर्णत: वर्जित है।

आवश्यक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित

स्वास्थ्य तंत्र की दृष्टि से सभी स्वास्थ्य संस्थानों को शीत लहर की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए पूरी तरह सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। श्वसन एवं हृदय रोगों से संबंधित आवश्यक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। ऑक्सीजन, नेबुलाइज़र तथा आपातकालीन बेड की व्यवस्था को सुदृढ़ रखने पर विशेष बल दिया गया है। ठंड से संबंधित बीमारियों की शीघ्र पहचान एवं प्राथमिक प्रबंधन हेतु संबंधित प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित किया जा रहा है। आशा एवं एएनएम कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया गया है कि वे अपने क्षेत्रों में बुजुर्गों, दीर्घकालिक रोगियों एवं अन्य संवेदनशील व्यक्तियों की सक्रिय निगरानी करें तथा आवश्यकता पड़ने पर शीघ्र स्वास्थ्य संस्थानों से संपर्क स्थापित करें।

इन लक्षणों पर नजदीकी अस्पताल से संपर्क करें

जिला स्वास्थ्य प्रशासन आम नागरिकों से अपील की है कि वे मौसम की वर्तमान परिस्थितियों को गंभीरता से लें, आवश्यक सावधानियां अपनाएं तथा किसी भी प्रकार के लक्षण जैसे अत्यधिक ठंड लगना, सांस फूलना, सीने में दर्द या अत्यधिक कमजोरी महसूस होने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें। शीत-जनित रोगों से बचाव संभव है, बशर्ते समय रहते सावधानी एवं उपचार सुनिश्चित किया जाए।

सूने मकान से नकदी और 3 लाख का आभूषण चोरी करने के मामले में खरीददार सहित 4 गिरफ्तार

आरोपियों में एक विधि से संघर्षरत बालक भी शामिल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गांधीनगर थाना पुलिस ने नवापारा स्थित सूने मकान से चोरी के मामले में 48 घंटे के अंदर एक विधि से संघर्षरत बालक समेत 4 आरोपियों को गिरफ्तार करके तीन लाख रुपये का सामान बरामद किया है। आरोपियों से 35 हजार रुपये नकद, सोना खरीददार आरोपी से गलाया हुआ सोना एवं बचा सोना, अन्य जेवर और घटना में प्रयुक्त छड़ बरामद किया है।

जानकारी के मुताबिक ज्योति गोस्वामी मूलत: खितौली बरही जिला कटनी मध्य प्रदेश की रहने वाली हैं, जिनका हाल मुकाम गांधीनगर थाना अंतर्गत नावापारा में है। महिला 25 दिसम्बर को वृंदावन गई थी। 02 जनवरी को रूम मालिक ने प्रार्थिया को फोन करके बताया कि उनके किराए के घर में चोरी हुआ है। जब वह घर वापस आई तो चांदी का पायल 1 जोड़ी, चांदी का करधन 1 नग, चांदी का छल्ला 1 नग, चांदी का कटोरी 1 नग, सिन्दूर का डब्बा 1 नग, लाकेट गले का 02 चादी का, चांदी का बिछिया 1 जोडी, छोटा चम्मच 1 नग, सोने का टाप्स 1 जोड़ी, सोने का नथ 1 नग, सोने का हार 1 नग, सोने का फुल्ली 2 पीस अज्ञात व्यक्ति चोरी करके ले गया था। रिपोर्ट पर थाना गांधीनगर में धारा 331(4), 305(ए) बी.एन.एस. का अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया। दौरान विवेचना पुलिस टीम ने घटना स्थल का निरीक्षण कर प्रार्थी का कथन लिया। पतासाजी के दौरान संदेही शिवम रवि से पूछताछ करने पर उन्होंने अपने मेमोरण्डम में उक्त मकान से सोना चांदी का गहना चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी सोने का हार आरोपी अपने साथी राजपुत, हैप्पी, विलसन एवं अन्य विधि से संघर्षरत बालक के साथ मिलकर 02 जनवरी को जोड़ा पीपल के पास अंकित अलंकार ज्वेलर्स में अंकित सोनी को बेचना बताया, जिसका पैसा नहीं दिया था और थोड़ी देर बाद देने के लिए कहा था। इसके बाद शिवम व उसके साथी घर वापस आ गए। बाद में शिवम रवि गहना खरीददार अंकित सोनी को फोन किया तो वह नवापारा चर्च ग्राउंड में पैसा देने के लिए बुलाया। आरोपी अपने साथी विलसन, हैप्पी एवं अन्य विधि से संघर्षरत बालक के साथ नावापारा ग्राउंड चर्च के पास पहुंचा तो अंकित सोनी वहां खड़ा था जो आरोपियों को 50 हजार रुपये दिया था। आरोपियों के विरुद्ध धारा 238, 317(2), 112, 3(5) बी.एन.एस. के तहत कार्रवाई की गई। आरोपियों को गिरफ्तार करके न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, वहीं विधि से संर्घषत बालक को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया गया है। सम्पूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक प्रदीप जायसवाल, प्रधान आरक्षक रुस्तम सिंह सोनवानी, आरक्षक रमन मंडल, राहुल सिंह सक्रिय रहे।

इन आरोपियों को गिरफ्तार की पुलिस

शिवम रवि पिता गुप्तेश्वर रवि 20 वर्ष, निवासी नावापारा गोधनपुर रोड के निशानदेही पर मामले में शामिल एक विधि से संघर्षरत बालक एवं अन्य आरोपी विलसन मिंज पिता संजय मिंज 19 वर्ष निवासी नवापारा गोधनपुर रोड, अंकित सोनी पिता कृष्णा सोनी 31 वर्ष निवासी नवापारा गोधनपुर को गिरफ्तार करके पूछताछ किया तो उन्होंने घटना कारित करना स्वीकार किया।

शत-प्रतिशत आभूषण और रकम बरामद

पुलिस टीम ने आरोपी शिवम रवि से सोना चांदी के गहने, 35 हजार रुपये नकद एवं घटना में प्रयुक्त छड़ को जप्त किया है एवं खरीददार अंकित सोनी से हार के कुछ हिस्से को गला देने के कारण गला हुआ सोना व हार का बचा हिस्सा जप्त किया गया। आरोपियों से पुलिस शत-प्रतिशत चोरी का सामान एवं खरीददार से प्राप्त नकद रकम जप्त कर ली है।

सिंगल यूज प्लास्टिक पृथ्वी का शत्रु है, थैला लेकर बाजार जाने का दिया संदेश

होली क्रॉस स्कूल के विद्यार्थियों ने प्लास्टिक वेस्ट से विभिन्न प्रकार की आकृतियां बनाकर जनमानस को किया जागरूक

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के होली क्रॉस कान्वेंट स्कूल के बच्चों ने सोमवार को शहर में रैली निकाली, और नुक्कड़ नाटक में माध्यम से शहर वासियों को सिंगल यूज प्लास्टिक को लेकर जागरूक किया। छात्रों ने अपने शरीर पर प्लास्टिक वेस्ट से विभिन्न प्रकार की आकृतियां बनाकर जनमानस को जागरूक करने के साथ ही इससे पड़ने वाले दुष्प्रभाव का संदेश दिया और प्लास्टिक के रैपर को त्यागने का आग्रह किया। शहर भ्रमण के बाद घड़ी चैक में विविध आयोजन किए गए।

सिंगल यूज प्लास्टिक को सहेजने स्कूल के बच्चों ने एक अभियान शुरू किया था, जिसके तहत छात्रों को जहां भी प्लास्टिक वेस्ट पड़ा हुआ नजर आता वे उसे संग्रहित करते आ रहे थे। वर्ष भर तक जमा किए गए प्लास्टिक वेस्ट को गिफ्ट पैक बनाकर इसे उन्हीं कंपनियों को कोरियर करने का अभियान इनके द्वारा चलाया जाता है। स्कूल के छात्रों द्वारा किए गए इस प्रयास की सराहना देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी कर चुके हैं। उन्होंने 2019 में अपने एक्स हैंडल पर बच्चों की तस्वीरें पोस्ट करते हुए इस अभियान की सराहना की थी, और उनका मनोबल बढ़ाया था। प्रधानमंत्री से सराहना मिलने के बाद बच्चों का उत्साह और बढ़ा, यही नहीं इनके अभियान को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहचान मिली। इसके बाद हर वर्ष तमाम कंपनियों को प्लास्टिक वेस्ट गिफ्ट के रूप में भेजने का क्रम अनवरत जारी है। वर्ष 2005 के अंत और वर्ष 2026 के शुरूआत में, 5 जनवरी को इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए शहर वासियों को भी जागरूक किया गया। रैली में शहर के कई गणमान्यजन और जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए। बता दें कि नगर निगम प्रदेश का ऐसा पहला शहर है, जिसने सिंगल यूज प्लास्टिक पर बैन लगाया था. इसकी बिक्री और उपयोग पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। इसके बाद भी लोग प्लास्टिक के वेस्ट को खुले में फेंक देते हैं, जिसे गौवंश सेवन करते हैं, जो कई बार गंभीर बीमारी का कारक बनता है। इसे देखते हुए ही शहर में देश का पहला गारबेज कैफे खोला गया. जहां प्लास्टिक वेस्ट के बदले में मुफ्त नाश्ता और खाना की सुविधा दी गई है। हर रोज सिंगल यूज प्लास्टिक का बहुत उपयोग होता है, जो नष्ट नहीं होता है, और प्रकृति को भी काफी नुकसान पहुंचता है। पृथ्वी और पृथ्वीवासियों की सुरक्षा के लिए होलीक्रॉस कान्वेंट स्कूल के बच्चे क्रिसमस की छुट्टियों में घर में ना रहकर अपने शिक्षकों के साथ नो सिंगल यूज प्लास्टिक कैंपन में भिड़ गए थे, और लोगों को जागरूक होने का संदेश दिया। नव वर्ष 2026 में सभी को इन बच्चों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने की जरूरत है, ताकि सिंगल यूज प्लास्टिक पूरी तरह से प्रतिबंधित हो। जब ऐसे प्लास्टिक का उपयोग करने वाले ही नहीं होंगे, तो इनकी खपत भी नहीं होगी।

महापौर ने कहा- समाज को नई दिशा देगा बच्चों का प्रयास

महापौर मंजूषा भगत ने होलीक्रॉस स्कूल के बच्चों द्वारा की गई पहल को सराहा और कहा कि इनके द्वारा दिया जा रहा संदेश समाज के नई दिशा देने वाला है। इस संदेश को हम सभी को ग्राह्य करने की जरूरत है। अन्य स्कूल के बच्चों को भी ऐसा अभियान चलाना चाहिए। प्लास्टिक मुक्त अंबिकापुर हो, निगम का प्रयास होगा। हमने एमआईसी और सामान्य सभा में भी संकल्प पारित किया है कि कचरा बाहर फेंकने वालों से पहले 200 फिर 500 रुपये जुर्माना लिया जाएगा। इसे अमल में लाएंगे।

सि. जसी टक्कन ने कहा- कैंपेन 10 साल से चल रहा

होली क्रॉस स्कूल की प्राचार्य सिस्टर जसि टक्कन ने कहा 10 साल से स्कूल के बच्चे कैंपेन के रूप में इस कार्यक्रम को चला रहे हैं। कई वर्षों तक स्कूल परिसर में यह कैंपेन चला, अब शहर में सिंगल यूज प्लास्टिक बैन को लेकर निकल रहे हैं। सिंगल यूज प्लास्टिक बैन हो, इस पर चर्चा हो रही है। बच्चे अपने से छुट्टियों में घर में ना रहकर अपने टीचर के साथ नो सिंगल यूज प्लास्टिक कैंपन में की तैयारी कर रहे थे, यह अच्छी बात है। 2020 ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ट्विट करके इस कार्यक्रम को सराहा है।

स्कूली बच्चों के आयोजन को प्रेरणास्पद बताया

नगर निगम पूर्व महापौर डॉ. अजय तिर्की, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्येश्वर सिंहदेव, भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया, कांग्रेस जिला अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक, नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद, पूर्व कांग्रेस जिला अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने भी लोगों से सिंगल यूज प्लास्टिक से दूरी बनाने का आग्रह करते हुए स्कूली बच्चों के इस आयोजन को प्रेरणास्पद बताया। इनके द्वारा होली क्रॉस स्कूल के बच्चों द्वारा जागरूकता लाने हर वर्ष किए जाने वाले आयोजनों की प्रशंसा की और कहा कि इससे लोग जागरूक होंगे, क्योंकि प्लास्टिक के ये रैपर मानव के साथ ही पशुओं की सेहत पर भी दुष्प्रभाव छोड़ता है।

हिट एंड रन मामले में विधायक पुत्र हिरासत में, तीन फरार

छ.ग.फ्रंटलाइन रायपुर । राजधानी रायपुर में एक बार फिर हिट एंड रन का मामला सामने आया है। तेलीबांधा थाना क्षेत्र में हुए इस हादसे में पुलिस ने भरतपुर-सोनहत विधायक रेणुका सिंह के बेटे लक्की सिंह को हिरासत में लिया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है, जबकि अन्य तीन आरोपियों की तलाश जारी है। जानकारी के अनुसार, रविवार-सोमवार की दरमियानी रात करीब 2 बजे अग्रसेन धाम के पास तेज रफ्तार कार ने एक बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि कार में विधायक पुत्र लक्की सिंह सहित दो युवक और दो युवतियां सवार थीं। हादसे के समय कार लक्की सिंह चला रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मुख्य आरोपी लक्की सिंह को हिरासत में ले लिया। वहीं कार में सवार अन्य तीन लोग मौके से फरार हो गए। तेलीबांधा थाना प्रभारी अविनाश सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। साथ ही फरार आरोपियों की तलाश तेज कर दी गई है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गाड़ी सरगुजा निवासी युवक की- पुलिस की जांच में सामने आया कि जिस कार से हादसा हुआ वो सरगुजा के कौशलपुर निवासी जयप्रकाश उपाध्याय की है। फिलहाल, पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

केतकी खदान में ग्रामीणों का आंदोलन, नौ घंटे तक ठप रहा उत्पादन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। देश की पहली एमडीओ मोड में संचालित केतकी भूमिगत खदान परियोजना में सोमवार को स्थानीय ग्रामीणों के आंदोलन के कारण कोयला उत्पादन करीब नौ घंटे तक बाधित रहा। भाजपा नेता संत सिंह के नेतृत्व में स्थानीय ग्रामीणों ने रोजगार सहित अन्य मुद्दों को लेकर खदान के मुख्य द्वार पर धरना देकर खदान संचालन ठप करा दिया। सुबह करीब साढ़े सात बजे शुरू हुए आंदोलन के बाद देर शाम लगभग चार बजे खदान प्रबंधन और आंदोलनकारियों के बीच सकारात्मक चर्चा हुई, जिसके पश्चात आंदोलन वापस ले लिया गया। इसके बाद शाम करीब पांच बजे मजदूरों का खदान में प्रवेश हुआ और कोयला उत्पादन पुन: शुरू हो सका। आंदोलनकारियों की

प्रमुख मांगों में खदान में स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार देने, कोयला उत्पादन व परिवहन के दौरान उड़ने वाली धूल को नियंत्रित करने के लिए नियमित जल छिड़काव, तथा निजी कंपनी के अधीन पेटी ठेकेदारों की कथित मनमानी और मजदूरों से मोटी रकम लेकर काम पर रखने जैसी अनियमितताओं की जांच शामिल रही। ग्रामीणों का कहना था कि कई स्थानीय युवक वीटीसी प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं, इसके बावजूद खदान प्रबंधन निजी कंपनी द्वारा दूसरे जिलों से ठेका मजदूरों को काम पर रखा जा रहा है, जिससे स्थानीय युवाओं में रोष है। वहीं खदान के सामने और सड़क मार्ग पर जल छिड़काव न होने से दिनभर धूल का गुब्बार उड़ता रहता है, जिससे आसपास के गांवों और राहगीरों को भारी परेशानी हो रही है। आंदोलन के दौरान सब एरिया मैनेजर सहित क्षेत्रीय प्रबंधन के अधिकारियों की मौजूदगी में ग्रामीणों से चर्चा की गई। प्रबंधन ने सभी मांगों पर जांच कर उचित कार्रवाई और धूल नियंत्रण के लिए जल छिड़काव व्यवस्था दुरुस्त करने का आश्वासन दिया, जिसके बाद ग्रामीणों ने आंदोलन समाप्त कर दिया।

आरजीके सब एरिया के सह क्षेत्र प्रबंधक प्रशांत शर्मा ने बताया कि आंदोलनकारियों से सकारात्मक चर्चा हुई है और उनकी मांगों को प्राथमिकता से हल करने का आश्वासन दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस घटना से खदान की प्रथम पाली का उत्पादन प्रभावित हुआ, हालांकि खदान अब पुन: चालू कर दी गई है। गौरतलब है कि केतकी खदान पूरी तरह आउटसोर्सिंग माइंस है, जहां एसएमएस कंपनी द्वारा कोयला उत्पादन किया जा रहा है। वर्तमान में खदान से प्रतिदिन लगभग 1200 से 1500 टन कोयला उत्पादन हो रहा है।

शीतलहर की गिरफ्त में कोयलांचल, अलाव बना राहत का लौ

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कोयलांचल सहित आसपास के ग्रामीण व शहरी इलाके इन दिनों भीषण शीतलहर की चपेट में हैं। सुबह से लेकर देर रात तक हड्डियां कंपा देने वाली ठंड ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। ठंड से राहत पहुंचाने के उद्देश्य से नगर पंचायत बिश्रामपुर द्वारा मानवीय पहल करते हुए बस स्टैंड तथा भटगांव मार्ग पर स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर के समीप अलाव की व्यवस्था की गई है, जिससे राहगीरों, मजदूरों और जरूरतमंदों को ठिठुरन से कुछ सुकून मिल सके। सोमवार को सुबह से दोपहर तक पूरा क्षेत्र घने कोहरे की चादर में लिपटा रहा। दृश्यता इतनी कम रही कि सड़कों पर वाहन चालकों को बेहद सावधानी से चलना पड़ा। दोपहर बाद जब सूर्य देव के दर्शन हुए, तब भी ठंड की तीव्रता में कोई खास कमी नहीं आई और पूरे दिन कंपकपी छुड़ा देने वाली सर्दी लोगों को परेशान करती रही। शीतलहर का असर बाजारों

और आम जनजीवन पर साफ नजर आया। सुबह-शाम सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा, लोग अत्यावश्यक कार्यों के अलावा घरों से बाहर निकलने से कतराते दिखे। दिहाड़ी मजदूर, रिक्शा चालक, बस यात्रियों और बुजुर्गों के लिए यह ठंड विशेष रूप से कष्टकारी साबित हो रही है। अलाव के आसपास लोग हाथ सेंकते और राहत की गर्माहट तलाशते नजर आए। स्थानीय लोगों ने नगर पंचायत की इस पहल की सराहना करते हुए मांग की है कि ठंड के प्रकोप को देखते हुए अन्य प्रमुख चौक-चौराहों व रिहायशी इलाकों में भी अलाव की व्यवस्था की जाए। वहीं प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि शीतलहर के दौरान आवश्यक सावधानियां बरतें, गर्म कपड़े पहनें और अनावश्यक रूप से खुले में देर तक न रहें। ज्ञात हो कि शीतलहर ने जहां जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है, वहीं अलाव की लौ इस कड़ाके की ठंड में लोगों के लिए उम्मीद और राहत का सहारा बनती नजर आ रही है।

पारदर्शी धान खरीदी हेतु सघन निगरानी

121 मामलो में 77 वाहन जब्त एवं 4 पर एफआईआर

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में अवैध धान भंडारण एवं परिवहन पर रोक लगाने के लिए प्रशासन द्वारा निरंतर सतत निगरानी रखी जा रही हैं। पारदर्शी एवं निष्पक्ष धान खरीदी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने सभी अंतरराज्यीय सीमाओं एवं चेक पोस्टों पर निगरानी व्यवस्था को और सुदृढ़ किया गया है, परीणामस्वरूप अब तक जिले में कुल 121 प्रकरण में 14,282.09 क्विंटल अवैध धान जब्त किया गया है। कार्रवाई के दौरान अवैध परिवहन में प्रयुक्त 67 चार पहिया तथा 10 दोपहिया सहित कुल 77 वाहनों को जब्त किया गया है। साथ ही अवैध धान में संलिप्त 4 व्यक्तियों पर एफआईआर दर्ज की गई है।

कलेक्टर श्री कटारा के मार्गदर्शन में प्रशासनिक अमला द्वारा संदिग्ध वाहनों एवं परिवहन गतिविधियों पर विशेष फोकस करते हुए सघन जांच कर संलिप्त होने पर मंडी अधिनियम के प्रावधानों के तहत आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित किया जा रहा है।

डिजिटल व्यवस्था से धान खरीदी में हुई आसानी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सुशासन एवं किसान हितैषी नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन से जिले में धान खरीदी का कार्य पूरी पारदर्शिता, सुगमता एवं निर्बाध रूप से निरंतर जारी है। धान खरीदी व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने हेतु प्रशासनिक अमले द्वारा सतत निरीक्षण किया जा रहा है, जिससे तौल, पंजीयन, भुगतान एवं अन्य प्रक्रियाएं समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न हो रही हैं।

जिले के विकासखण्ड बलरामपुर के ग्राम सेमली निवासी कृषक श्री रामजीवन ने अपनी मेहनत की उपज 80 क्विंटल धान का विक्रय बलरामपुर स्थित उपार्जन केंद्र में किया। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा उपलब्ध कराई गई तुंहर टोकन ऑनलाइन सुविधा के माध्यम से उन्होंने घर बैठे ही टोकन प्राप्त कर लिया, जिससे उन्हें समिति कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़े और समय की भी बचत हुई। डिजिटल व्यवस्था किसानों के लिए अत्यंत सुविधाजनक सिद्ध हो रही है।

श्री रामजीवन ने बताया कि पिछले वर्ष भी उन्हें धान बेचने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई थी। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी धान खरीदी की पूरी प्रक्रिया सरल, सुचारू है। उपार्जन केंद्र पर पहुंचते ही तौल, पंजीयन एवं अन्य औपचारिकताएं सहजता से पूरी हो जाती हैं, जिससे किसानों में संतोष है। श्री रामजीवन ने बेहतर धान खरीदी व्यवस्था सुनिश्चित करने के शासन-प्रशासन को धन्यवाद दिया है।

बलरामपुर खदान में 30 लाख टन कोयले पर संकट, उग्र आंदोलन की चेतावनी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र अंतर्गत बलरामपुर खदान एक बार फिर सुर्खियों में है। खदान में करीब 30 लाख टन कोयले का विशाल भंडार मौजूद है, जिसे कुछ आवश्यक मशीनें और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराकर आसानी से निकाला जा सकता है। बावजूद इसके प्रबंधन पर आरोप है कि वह

निजी ठेकेदारों के जरिए कोयला निकालने की मंशा से जानबूझकर खदान की पंपिंग व्यवस्था में बाधा डालकर उसे पानी से भरने की रणनीति अपना रहा है। कोयला मजदूर सभा एचएमएस के क्षेत्रीय महामंत्री देवेंद्र मिश्रा का दावा है कि इस खदान के भीतर सैकड़ों करोड़ रुपए की मशीनरी और सामग्री पहले से डूबी हुई है, जिससे न केवल सरकारी संपत्ति का भारी नुकसान हो रहा है, बल्कि खदान की उत्पादक क्षमता भी प्रभावित हो रही है। मिश्रा का कहना है कि यदि मात्र चार से छह पंप और एलएचडी मशीनें उपलब्ध करा दी जाएं, तो बिना किसी बड़ी बाधा के कोयले का दोहन किया जा सकता है। उन्होंने आरोप लगाया है कि नया कुम्दा खदान 7/8 में भी इसी तरह की स्थिति जानबूझकर बनाई जा रही है, जिससे सरकारी उत्पादन को कमजोर कर निजीकरण का रास्ता साफ किया जा सके। यह स्थिति क्षेत्र हित, खदान हित और मजदूर हित तीनों के लिए घातक बताई जा रही है।इन मुद्दों को लेकर कोयला मजदूर सभा एचएमएस के क्षेत्रीय महामंत्री देवेंद्र मिश्रा ने चरणबद्ध आंदोलन का ऐलान कर दिया है।उन्होंने बताया कि 9 जनवरी शुक्रवार को प्रात: 10 बजे से एक दिवसीय धरना प्रदर्शन, 16 जनवरी शुक्रवार से क्रमिक भूख हड़ताल, 23 जनवरी शुक्रवार से आमरण अनशन की तैयारी की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि प्रबंधन ने समय रहते पंपिंग व्यवस्था दुरुस्त कर खदानों में मशीनें उपलब्ध नहीं कराईं, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई निजीकरण के खिलाफ, सरकारी संपत्ति की रक्षा और मजदूरों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए है।

द्वारिकानगर में जीजा की हत्या मामले में आरोपी दो सगे भाई गिरफ्तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत द्वारिकानगर में शनिवार को छेरता पर्व के दौरान हुए मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जिसमें लाठी-डंडों से की गई पिटाई के बाद एक युवक की मौत हो गई थी। लटोरी पुलिस ने मामले में आरोपित दोनों सगे भाई टेम साय पैकरा 25 वर्ष व गेंद बिहारी 20 वर्ष पिता ठाकुर सिंह पैकरा निवासी द्वारिकानगर को गिरफ्तार कर आज न्यायालय पेश कर दिया है। लटोरी पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत द्वारिकानगर निवासी रामलल्लू अगरिया 24 वर्ष ने चार वर्ष पूर्व गांव के ही ठाकुर राम पैकरा की बेटी टिकेश्वरी से प्रेम विवाह किया था। प्रेम विवाह के बाद दोनों पति-पत्नी के रूप में हंसी खुशी साथ साथ रह रहे थे। गत दिनों शनिवार को छेरता पर्व के अवसर पर रामलल्लू व उसका साला गेंद बिहारी दोनों रामलल्लू के घर में खाए पिए। इसी दौरान गेंद बिहारी को घर में देखकर रामलल्लू का छोटा भाई अनिल

नाराज होकर कहा कि इतने दिनों से तुम लोग हमारे घर नहीं आए, आज क्यों आए हो। इस बात पर गेंद बिहारी भड़क गया और धमकी देते हुए वहां से चला गया। पुलिस के अनुसार कुछ देर बाद गेंद बिहारी अपने भाई टेम साय को साथ लेकर वापस रामलल्लू के घर पहुंचा। इसके बाद दोनों भाइयों ने लाठी-डंडों से रामलल्लू और अनिल की जमकर पिटाई कर दी और मौके से फरार हो गए। घटना में गंभीर रूप से घायल रामलल्लू और अनिल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लटोरी ले जाया गया, जहां अनिल की हालत सामान्य बताई गई। वहीं रामलल्लू की स्थिति बिगड़ने पर उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रेफर किया गया, जहां देर रात उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही लटोरी पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों से घटना की जानकारी ली। लटोरी पुलिस ने मामले में आरोपितों के खिलाफ जुर्म दर्ज करते हुए आरोपित सगे भाइयों को गिरफ्तार कर जेल दाखिल करा दिया है।बताया जा रहा है कि टिकेश्वरी के परिजन प्रेम विवाह से नाराज थे। बीते चार वर्षों से दोनों परिवारों के बीच न तो बातचीत थी और न ही कोई सामाजिक संबंध। घटना वाले दिन मामूली विवाद ने पुरानी रंजिश का रूप ले लिया और मामला हत्या तक पहुंच गया। पुलिस का कहना है कि मारपीट की घटना के दौरान मृतक रामलल्लू के ससुर समेत 8-10 लोग मौके पर मौजूद थे लेकिन टेम साय और गेंद बिहारी ने ही मारपीट की घटना को अंजाम दिया है।

एसआईआर जांच में सख्ती, 285 नागरिकों को नोटिस जारी

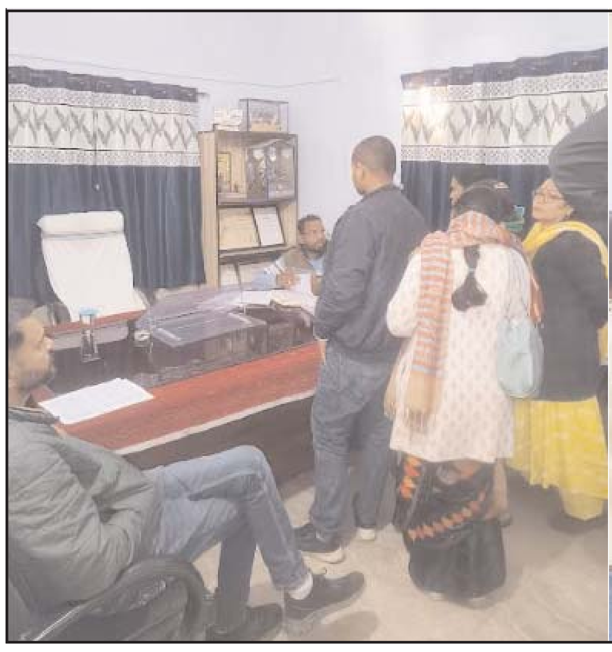

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर पंचायत बिश्रामपुर अंतर्गत चल रही एसआईआर प्रक्रिया के दौरान निर्धारित मानकों के अनुरूप दस्तावेज जमा नहीं करने वाले नागरिकों पर प्रशासन ने सख्ती दिखानी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में करीब 285 लोगों को नोटिस जारी कर सुनवाई का अवसर दिया गया है, ताकि वे अपने वैध दस्तावेज प्रस्तुत कर सकें और मतदाता सूची में अपने नाम सुरक्षित रख सकें। ज्ञात हो कि सोमवार को इस प्रक्रिया के तहत नगर पंचायत बिश्रामपुर के 22 नागरिकों को सुनवाई के लिए नोटिस जारी किया गया था। सुनवाई के दौरान प्रशासनिक अमला मौजूद रहा। मानी नायब तहसीलदार प्रियंका रवि, नगर पंचायत बिश्रामपुर के सीएमओ सुशील कुमार तिवारी, पटवारी अरुण जायसवाल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे और प्रत्येक मामले को सुना गया।सुनवाई के दौरान कई नागरिक नगर पंचायत कार्यालय पहुंचे और अपने-अपने दस्तावेज जमा किए। हालांकि कई ऐसे लोग भी सामने आए जिनके पास निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। दस्तावेजों की कमी के चलते उनके बीच मतदाता सूची से नाम कटने का भय लगातार गहराता जा रहा है, जिससे लोगों में चिंता और असमंजस का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि आम नागरिकों की व्यावहारिक समस्याओं को देखते हुए दस्तावेज संबंधी नियमों की स्पष्ट जानकारी और मार्गदर्शन दिया जाए, ताकि कोई भी पात्र मतदाता अनजाने में अपने अधिकार से वंचित न हो। एसआईआर के तहत चल रही यह प्रक्रिया जहां एक ओर मतदाता सूची को शुद्ध करने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है, वहीं दूसरी ओर दस्तावेजों की कमी से जूझ रहे नागरिकों के लिए यह चिंता का विषय बनती जा रही है । सुरजपुर एसडीएम शिवानी जायसवाल ने स्पष्ट किया कि एसआईआर प्रक्रिया का उद्देश्य योग्य मतदाताओं को सूची से बाहर करना नहीं, बल्कि मतदाता सूची को त्रुटिरहित और पारदर्शी बनाना है। जिन नागरिकों के दस्तावेज अधूरे हैं, उन्हें नियमानुसार अवसर दिया जा रहा है, ताकि वे समय रहते आवश्यक प्रमाण प्रस्तुत कर सकें।

सिलफिली हायर सेकेंडरी स्कूल में 77 छात्राओं को बांटी गई नि:शुल्क सायकल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिलफिली में शासन की महत्त्वाकांक्षी सरस्वती सायकल वितरण योजना के तहत सायकल वितरण कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर उत्सव स्थल में तब्दील नजर आया, जब कक्षा 9 वीं की 77 छात्राओं को सायकलें प्रदान की गईं और उनके चेहरों पर आत्मविश्वास व खुशी साफ झलकती दिखाई दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंत्री प्रतिनिधि ठाकुर प्रसाद राजवाड़े रहे। उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि सरस्वती सायकल योजना केवल एक योजना नहीं, बल्कि बेटियों के सपनों को पंख देने का माध्यम है। सायकल मिलने से छात्राओं की विद्यालय तक पहुंच आसान होगी, नियमित उपस्थिति बढ़ेगी और वे निर्भय होकर अपनी शिक्षा जारी रख सकेंगी। उन्होंने

छात्राओं से शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार मानते हुए आगे बढ़ने का आह्वान किया। अन्य अतिथियों में जिला पंचायत सदस्य नरेंद्र यादव, एसएमडीसी अध्यक्ष राजेश कुशवाहा, सिलफिली जनपद सदस्य सीमा सिंह, सूरज कुशवाहा, दितेश राय, बबलू हालदार सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।अतिथियों ने शासन की इस योजना की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं के लिए यह योजना वरदान साबित हो रही है, जिससे ड्रॉपआउट दर में कमी आएगी और बेटियों को आगे बढ़ने के समान अवसर मिलेंगे।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिवार ने अतिथियों का स्वागत किया। शिक्षकों ने बताया कि सायकल मिलने से दूर-दराज़ से आने वाली छात्राओं को अब समय और संसाधनों की परेशानी नहीं होगी, जिससे उनकी पढ़ाई में निरंतरता बनी रहेगी। समारोह के अंत में विद्यालय प्रबंधन ने सभी अतिथियों व अभिभावकों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

सेजेस विद्यालय बलरामपुर में राष्ट्रीय गणित दिवस का आयोजन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद रायपुर के तत्वाधान एवं जिला शिक्षा अधिकारी श्री मनीराम यादव के निर्देशन में सेजस हिंदी माध्यम विद्यालय बलरामपुर में राष्ट्रीय गणित दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में गणित विषय में रूचि विकसित करना रहा।

इस अवसर पर जिले के विभिन्न विद्यालयों से आए छात्र-छात्राओं ने भारत के महान गणितज्ञ श्री निवास रामानुजन के गणित के क्षेत्र में दिए गए अमूल्य योगदान का स्मरण करते हुए उनके जीवन एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुतियों के माध्यम से यह बताया गया कि गणित विषय को किस प्रकार रुचिकर बनाया जा सकता है तथा दैनिक एवं व्यावहारिक जीवन में गणित के उपयोग को कैसे सरल रूप में अपनाया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में नवाचार, रचनात्मक सोच एवं गणितीय समझ विकसित करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें चयनित प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम में प्रतिभागी छात्र-छात्राओं मार्गदर्शन शिक्षकों सहित कुल 100 विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

ग्रामीण अंचल आधार कार्ड फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ, कसकेला व कोटेया रही विजेता

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जरही। खेल परिसर में ग्रामीण अंचल आधार कार्ड फुटबॉल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर खेले गए रोमांचक मुकाबलों में कसकेला एवं कोटेया की टीमों ने जीत दर्ज की। उद्घाटन मैच कसकेला बनाम सुंदरपुर सौकी के बीच खेला गया, जिसमें कसकेला की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 1-0 से जीत हासिल की। वहीं दूसरा मुकाबला दुग्गा बनाम कोटेया के बीच खेला गया, जिसमें कोटेया की टीम ने 1-0 से विजय प्राप्त की। आज खेले गए मुकाबलों में निर्णायक की भूमिका रविंद्र राजवाड़े, शीतप रजक, आशीष राजवाड़े एवं उमा महेश ने निभाई। प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में भटगांव थाना प्रभारी सरफराज फिरदौसी, पूर्व मंडल महामंत्री अशोक गुप्ता, बीएमएस केंद्रीय कार्य समिति सदस्य प्रताप सिंह मरावी, दिलीप मंडल, उपसरपंच बरोधी दिनेश प्रताप सिंह सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। आयोजक समिति द्वारा जानकारी दी गई कि इस ग्रामीण अंचल आधार कार्ड फुटबॉल टूनार्मेंट में जिले की कुल 24 टीमें भाग ले रही हैं। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में विजेता टीम को 20 हजार रुपये नगद एवं चमचमाती ट्रॉफी, जबकि उपविजेता टीम को 15 हजार रुपये नगद एवं ट्रॉफी प्रदान की जाएगी।

पासल जंगल में बेखौफ चल रही लकड़ी कटाई, वन विभाग मौन, कार्रवाई करेगा कौन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

चांदनी-बिहारपुर। वनांचल क्षेत्र में स्थित पासल के जंगल इन दिनों अवैध लकड़ी कटाई और तस्करी का गढ़ बनते जा रहे हैं। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी ईंट भट्ठों का मौसम शुरू होते ही जंगलों पर कुल्हाड़ी चलनी शुरू हो गई है। ईंट भट्ठों में ईंट पकाने के लिए बड़ी मात्रा में लकड़ी की आवश्यकता होती है, जिसका सीधा और गंभीर असर पासल सहित आसपास के वन क्षेत्रों पर पड़ रहा है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, पासल के जंगलों से प्रतिदिन 10 से 15 मोटरसाइकिलों और अन्य साधनों में लकड़ी लोड कर खुलेआम परिवहन किया जा रहा है। यह अवैध कारोबार लंबे समय से जारी है, लेकिन इसे रोकने में वन विभाग पूरी तरह नाकाम साबित हो रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग की निष्क्रियता के कारण जंगल तेजी से उजड़ते जा रहे हैं और वन्य जीवों का प्राकृतिक आवास भी खतरे में है।

सूचना के बावजूद नहीं हुई कार्रवाई

ग्रामीणों ने बताया कि आज फिर पासल जंगल में भारी मात्रा में लकड़ी की अंधाधुंध कटाई की जा रही थी। मौके पर ट्रैक्टर में लकड़ी लोड की जा रही थी, जिसे देखकर ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग को फोन के माध्यम से सूचना दी। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर तो पहुंची, लेकिन कार्रवाई के नाम पर केवल खानापूर्ति होती नजर आई। आरोप है कि जिस ट्रैक्टर में लकड़ी लोड की जा रही थी, उसे ग्रामीणों ने रोककर रखा था, बावजूद इसके वन विभाग की टीम ने उसे जप्त करने के बजाय कथित तौर पर वहां से निकल जाने दिया। इस दौरान टीम द्वारा तरह-तरह के बहाने बनाए गए, जिससे ग्रामीणों में भारी रोष फैल गया। घटना के बाद ग्रामीणों ने वन विभाग पर लकड़ी तस्करों के साथ मिलीभगत का गंभीर आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि विभाग ईमानदारी से कार्रवाई करता, तो अवैध लकड़ी से भरा ट्रैक्टर जप्त किया जा सकता था और तस्करों पर सख्त कार्रवाई होती।

छत्तीसगढ़ के गेड़ी नृत्य का भव्य प्रदर्शन होगा गणतंत्र दिवस समारोह नई दिल्ली में

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर। भारत सरकार एवं महामहिम राष्ट्रपति महोदया के मार्गदर्शन में आयोजित देश के सबसे बड़े राष्ट्रीय महापर्व गणतंत्र दिवस परेड एवं समारोह, नई दिल्ली में इस वर्ष छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति की विशेष झलक देखने को मिलेगी। छत्तीसगढ़ की संस्था लोक श्रृंगार भारती गेड़ी लोक नृत्य दल को गणतंत्र दिवस समारोह में प्रदर्शन हेतु भारत सरकार से औपचारिक आमंत्रण प्राप्त हुआ है। दल के 35 लोक कलाकार, संस्था के निदेशक अनिल गढ़ेवाल के कुशल नेतृत्व में गणतंत्र दिवस परेड में सहभागिता करेंगे। यह छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक इतिहास में पहली बार है जब किसी एक संस्था के 35 लोक कलाकारों को एक साथ राष्ट्रीय मंच पर नृत्य प्रस्तुति का अवसर मिला है।

छत्तीसगढ़ की प्राचीन लोकसंस्कृति का जीवंत प्रदर्शन

लोक नृत्य निर्देशक अनिल गढ़ेवाल ने बताया कि गेड़ी लोक नृत्य का चयन छत्तीसगढ़ की पुरातन एवं आदिवासी लोकसंस्कृति को जीवंत बनाए रखने के उद्देश्य से किया गया है। नृत्य में पारंपरिक वेशभूषा के अंतर्गत कौड़ियों, चीनी मिट्टी की मालाएं, पटसन वस्त्र, सिकबंध, मयूर पंख, रंग-बिरंगे फूंदरा तथा सूती परिधान शामिल हैं। पारंपरिक वाद्य यंत्रों में मांदल, झांझ, झुमका, खझरी, टीमकी और बांसुरी का प्रयोग किया जाएगा। नृत्य एवं गीत शैली पूर्णतः पारंपरिक होगी, जो छत्तीसगढ़ की मूल पहचान को राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करेगी।

संगीत और नृत्य का सशक्त संयोजन

प्रमुख मांदल वादक के रूप में संगीतकार संजय रात्रे एवं मोहन डोंगरे प्रस्तुति देंगे। गेड़ी नृत्य गीत का गायन अनिल गढ़ेवाल करेंगे, जबकि सहगायक भरत वस्त्रकार एवं फागुराम सूर्यवंशी होंगे। बांसुरी वादन में रामनाथ उत्तम एवं महेश नवरंग, हारमोनियम में सौखीलाल कोसले तथा झुमका वादन में रामनाथ उत्तम अपनी स्वर-लहरियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। मुख्य गेड़ी नर्तक के रूप में प्रभात बंजारे एवं लक्ष्मीनारायण माण्डले, तथा सह नर्तकों के रूप में सूरज खांडे, प्रभाकर बंजारे एवं विकास कुर्रे पारंपरिक वेशभूषा में प्रस्तुति देंगे।

पटपरिया बस्ती में हुआ हिन्दू सम्मेलन का आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। शहर के पटपरिया बस्ती में हिन्दू सम्मेलन का आयोजन हुआ। सम्मेलन के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह विभाग कार्यवाह अजय मिश्र ने अपने उद्बोधन में हिन्दू संस्कृति एवं हिंदुत्व भाव जागरण के सकारात्मक पक्षों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि हिन्दू संस्कृति विश्व की श्रेष्ठ संस्कृति है और इस महान परंपरा में जन्म लेना हम सभी के लिए सौभाग्य का विषय है। कार्यक्रम के प्रारम्भ में डॉ अपेक्षा सिंह गहरवार ने राष्ट्र निर्माण में मातृशक्ति के योगदान तथा व्यक्तित्व निर्माण में उनकी महती भूमिका पर सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने ह्यपंच परिवर्तन के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए सभी को प्रयत्नशील रहने का आग्रह किया। उन्होंने तृतीय सरसंघचालक बाला साहब के कथन का उल्लेख किया जिसमे उन्होंने कहा था यदि छुआछूत पाप नहीं तो कुछ भी पाप नहीं है, छोटे बड़े का भेद समाप्त करते हुए भारत के गौरव के लिए प्रयत्नशील रहने का आग्रह किया.उन्होंने कहा कि प्रत्येक बड़े परिवर्तन की शुरूआत छोटे-छोटे प्रयासों से होती है। जब व्यक्ति दीपक की भांति सकारात्मक कार्य करता है तो समाज में प्रकाश फैलता है और जब हम दीपमाला के समान सामूहिक प्रयास करते हैं तो युग परिवर्तन संभव होता है। कार्यक्रम के अध्यक्ष जगदीश केडिया ने भी समाज को जागृत करने में ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण एवं परिणाम कारी बताया। संत भोलानाथ शास्त्री ने सामाजिक समरसता पर बल देते हुए छुआछूत को अधार्मिक कृत्य बताया। कार्यक्रम का संचालन अनिल तिवारी ने किया। इस अवसर पर डॉ योगेंद्र गहरवार, सुनिल तिवारी, सतीश मिश्रा, द्वितेंद्र मिश्रा, पार्षद मनोज गुप्ता, राजेश तिवारी, मंगलेश श्रीवास्तव, आभा सिंह, शशि सिंह, केन सिंह, डॉ एस एन सिंह, दुर्गेश सोनी, शिव गुप्ता, योगेंद्र प्रसाद गुप्ता, त्रिपुरारी भगत, जय सिंह, शांतनु गर्ग, रामू भगत, सुनील तिवारी, विनोद तिवारी, बंटी सिंह, सुरेश कुमार चाड़ार, कैलाश श्रीवास्तव, विद्यापति तिवारी, डॉ रूपेश सिंह सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। सम्मेलन में बालक विशेष श्रीवास्तव की बोर्ड पर अपनी प्रस्तुति के माध्यम से चर्चा का विषय बना। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन संदीप प्रसाद ने किया। कार्यक्रम में भारत माता की आरती और सामूहिक हनुमान चालीसा ने हिन्दू समाज की समरसता का परिचय दिया। सम्मेलन के माध्यम से समाज में सांस्कृतिक चेतना, संगठन और सकारात्मक परिवर्तन के संकल्प को नई ऊर्जा मिली।

सरपंच संघ की बड़ी बैठक में संगठन विस्तार व पंचायत हित की बनी रणनीति

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिहारपुर। सोमवार को ओडगी जनपद कार्यालय में सरपंच संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में क्षेत्र की पंचायतों से जुड़े ज्वलंत मुद्दों, सरपंच संघ की आगामी कार्ययोजना तथा संगठन की भावी रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक की खास बात यह रही कि सभी पंचायतों के सरपंचों ने एकजुट होकर अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं, विकास कार्यों में आ रही बाधाओं तथा शासन-प्रशासन से समन्वय को लेकर खुलकर विचार साझा किए। इस दौरान वातावरण सौहार्दपूर्ण, सकारात्मक और संगठनात्मक एकता से परिपूर्ण रहा। बैठक में इस बात पर विशेष सहमति बनी कि पंचायतों के अधिकारों की रक्षा, विकास कार्यों में पारदर्शिता, जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाने तथा प्रशासनिक स्तर पर प्रभावी संवाद स्थापित करने के लिए सरपंच संघ को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा। आगामी दिनों में ब्लॉक एवं जिला स्तर पर समन्वित प्रयासों के माध्यम से पंचायत हित में ठोस पहल करने का निर्णय लिया गया। इस दौरान संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी रूप से उपस्थित रहे, जिनमें गजमोचन सिंह अध्यक्ष, सरपंच संघ, बसंतलाल व विनीता नागेसिया उपाध्यक्ष, रनमनिया पैकरा, कपिल देव पैकरा सहित बड़ी संख्या में सरपंच मौजूद रहे और सभी ने संगठन की मजबूती के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

पारदर्शी धान खरीदी एवं डिजिटल टोकन व्यवस्था से धान विक्रय करना हुआ आसान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। जिले में समर्थन मूल्य पर संचालित धान उपार्जन केन्द्रों में लागू पारदर्शी एवं डिजिटल व्यवस्था से किसानों को धान विक्रय में सुविधा मिल रही है। टोकन आधारित प्रणाली एवं ऑनलाइन सेवाओं के कारण अब किसान बिना किसी परेशानी के सरल, सुगम और सुरक्षित तरीके से धान विक्रय कर पा रहे हैं। अम्बिकापुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पोड़ी खुर्द के निवासी लघु वर्ग के किसान इंद्र प्रसाद कुजूर ने बताया कि इस वर्ष अच्छी वर्षा के कारण धान की फसल बेहतर हुई है। उन्होंने बताया कि उनका कुल 100 क्विंटल धान का रकबा है। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा उपलब्ध कराए गए किसान तुहंर टोकनह्व ऐप के माध्यम से उन्हें घर बैठे ही टोकन काटने की सुविधा मिली। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपना पहला टोकन 100 क्विंटल धान के लिए स्वयं मोबाइल के माध्यम से काटा, जिसमें उन्हें किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई। डिजिटल व्यवस्था के चलते टोकन कटाने की प्रक्रिया पूरी तरह सहज और पारदर्शी रही। उन्होंने बताया कि निर्धारित तिथि पर रामपुर धान उपार्जन केंद्र पहुंचते ही उन्हें गेट

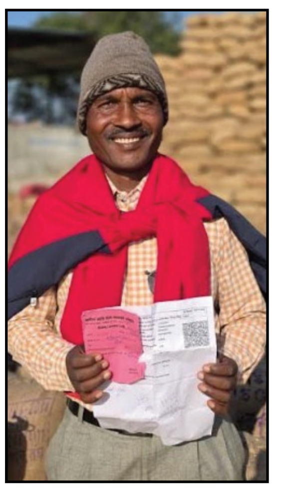

पास, नमी परीक्षण की सुविधा तत्काल उपलब्ध कराई गई तथा बिना विलंब के बारदाना भी प्रदान किया गया। इससे धान विक्रय की प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। किसान कुजूर ने बताया कि समिति केंद्र में किसानों की सुविधा के लिए पेयजल, छायादार बैठने की व्यवस्था उपलब्ध है। साथ ही समिति के कर्मचारियों द्वारा किसानों को पूरा सहयोग प्रदान किया जा रहा है, जिससे केंद्र में व्यवस्था सुचारू बनी हुई है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा धान का सर्वाधिक समर्थन मूल्य 3100 रुपये प्रति क्विंटल प्रदान किया जा रहा है तथा प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान खरीदी की जा रही है, जिससे किसानों को बड़ा लाभ मिल रहा है। उन्होंने बताया कि गत वर्ष धान विक्रय से प्राप्त आय से उन्होंने अपने पुत्र का विवाह संपन्न कराया। उन्होंने बताया कि वे धान के साथ-साथ वे गेहूं, तिलहन एवं सब्जी सहित अन्य फसलों की खेती भी कर रहे हैं, जिससे उनकी आय में निरंतर वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान धान खरीदी व्यवस्था से बेहद संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा कि किसानों के हित में लागू की गई पारदर्शी धान खरीदी व्यवस्था के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की विश्व में दादागिरी दिखाने की और विश्व को डराने का एक षड्यंत्र जैसे कार्य

कुमोद चौधरी,
समाज सेवक,
कोलकाता वेनेजुएला,

वो देश जो कभी दुनिया की नजरों में गुमनाम-सा था, अब अमेरिकी साम्राज्यवाद की भूख का शिकार बन चुका है। एक अनजान-सी विपक्षी नेता मारिया कोरिना माचाडो को 2025 में नोबेल शांति पुरस्कार देकर गहरी साजिश रची गई, ताकि निकोलस मादुरो को क्रूर तानाशाह साबित किया जा सके और विपक्ष को पीड़ितों का तमगा देकर वैश्विक समर्थन जुटाया जाए। इस नोबेल की आड़ में एक झूठा नैरेटिव फैलाया गया कि वेनेजुएला में विपक्ष मौत के मुंह में जी रहा है, जबकि असलियत ये है कि अमेरिका ने ही दशकों से आर्थिक प्रतिबंधों और गुप्त ऑपरेशनों से इस देश को तबाह किया है। फिर आया वो शैतानी कदम जब ड्रग तस्करी के झूठे आरोप लगाकर ट्रंप प्रशासन ने 2026 में बड़े पैमाने पर सैन्य हमला किया और मादुरो व उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को अगवा कर लिया जिसे वे 'गिरफ्तारी' का नाम देकर दुनिया को बेवकूफ बना रहे हैं । ये कोई न्याय नहीं, बल्कि नंगी गुंडागर्दी है जैसे कोई ठग किसी कमजोर को लूट ले। राजधानी काराकास में कुछ भाड़े के गुर्गे और दीप स्टेट के पिट्ठू नाच-गा रहे हैं, और पेड मीडिया उनके वीडियो वायरल करवा रहा है कि 'देखो, जनता कितनी उल्लास में है !' लेकिन हकीकत कड़वी है : वेनेजुएला की जनता अमेरिकियों से घोर नफरत करती है, क्योंकि ये वही अमेरिका है जिसने सरकारों को उखाड़ फेंकने के लिए दशकों से साजिशें रचीं, आर्थिक नाकेबंदी की और देश को भुखमरी की कगार पर धकेल दिया। हाल ही में अमेरिका ने कैरिबियन में नौसैनिक तैनाती बढ़ाई, ड्रग कार्टेल्स पर हमले किए और मादुरो पर 50 मिलियन डॉलर का इनाम रखा केवल सब कुछ तेल की लूट के लिए। अब बांग्लादेश की तरह वेनेजुएला में भी दीप स्टेट अपना कठपुतली (नोबेल वाली माचाडो) को सत्ता की कुर्सी पर बिठाएगा और दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडार झ्र 303 अरब बैरल झ्र पर अपना गंदा पंजा मार लेगा मादुरो इसे चीन, भारत और रूस जैसे सहयोगियों को बेचकर देश की अर्थव्यवस्था मजबूत करना चाहता था, लेकिन अमेरिका की लालची आंखें इसे बर्दाश्त नहीं कर सकीं। बांग्लादेश में भी 2024 में शेख हसीना को उखाड़ फेंका गया, क्योंकि उन्होंने सेंट मार्टिन द्वीप पर अमेरिकी एयरबेस बनाने से इनकार कर दिया था झ्र वो द्वीप जो चीन के खिलाफ रणनीतिक महत्व रखता है सीआईए ने छात्र आंदोलनों की आड़ में सत्ता पलट दी और मोहम्मद यूनुस को अंतरिम प्रमुख बनवा दिया। दुनिया का खेल आज भी वही पुराना है जिसकी बंदूक, उसी की मर्जी । ताकतवर हमेशा अपनी लूटमार को 'न्याय' और 'लोकतंत्र की रक्षा' का जामा पहनाता है। अमेरिका खुद को लोकतंत्र का ठेकेदार कहता है, लेकिन पाकिस्तान की सैन्य तानाशाही, म्यांमार की जंटा, चीन की एकदलीय सत्ता या मध्य पूर्व के तेल राज्यों में कभी मुंह नहीं खोलता क्योंकि वहां उसके आर्थिक हित जुड़े हैं। लेकिन जहां विरोधी खड़े हों, वहां 'मानवाधिकार' का ड्रामा शुरू हो जाता है। भारत में भी यही शैतानी जाल बिछाया जा रहा है। दीप स्टेट अपने गद्दार मोहरों जैसे राहुल गांधी झ्र के जरिए 'लोकतंत्र खतरे में' का झूठा प्रचार फैला रहा है । ये मोहरा देश में तो संसद से गायब रहता है, लेकिन विदेशों में जाकर भारत को बदनाम करता है-जर्मनी, लंदन, कोलंबिया, कैम्ब्रिज में जाकर मोदी सरकार पर 'लोकतंत्र पर हमला' का आरोप लगाता है हाल ही में सैम पित्रोदा ने खुलासा किया कि राहुल 'प्रोग्रेसिव एलायंस' जैसे वैश्विक नेटवर्क्स से जुड़े हैं, जो भारत-विरोधी नैरेटिव चलाते हैं और सोरोस जैसे तत्वों से प्रेरित हैं। ये सब एक विशाल षड्यंत्र का हिस्सा है पहले नैरेटिव सेट करो, फिर हो सकता है कि दीप स्टेट इस मोहरे को नोबेल देकर 'शांतिदूत' बना दे, उसके बाद किसी समुदाय को मजहबी उन्माद में भड़काकर देश में अराजकता फैला दो। फिर 'शांति बहाली' के नाम पर यूएन के जरिए हस्तक्षेप करवाओ और इस चूतिया-से मोहरे को सत्ता सौंप दो, जिसका 30-40% वोट बैंक अंधभक्ति में समर्थन कर देगा। भू-राजनीति में अमेरिका के खिलाफ एक मजबूत वैकल्पिक ध्रुव बनाने का वक्त आ गया है, वरना हर राष्ट्र जलकर राख हो जाएगा। अमेरिका तभी महाशक्ति बनेगा जब दुनिया के बाकी देश आग में झुलस रहे हों चाहे वो आग आंतरिक अराजकता की हो या बाहरी हमलों की। दीप स्टेट के लिए सबसे बड़ा रोड़ा नरेंद्र मोदी है, क्योंकि भारत और उसकी आग के बीच ये इंसान दीवार की तरह खड़ा है। वे जानते हैं कि अगर दुनिया में कोई दूसरा पोल बनेगा, तो मोदी ही सबको एकजुट करके उसे खड़ा कर सकता है झ्र इसी डर से वे हर साजिश रच रहे हैं। इतिहास गवाह अमेरिका में जो भी राष्ट्रपति बनता है तो किसी ना किसी देश पर युद्ध थोपता ही है।

सम्पादकीय

खुद को संभाले अमेरिका भारत को नसीहत नहीं दे

दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद जेएनयू के पूर्व छात्र और एक्टिविस्ट उमर खालिद को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी की ओर से खालिद के समर्थन में पत्र लिखे जाने के बाद अब अमेरिका के आठ सांसदों ने भी उसका समर्थन करते हुए भारत सरकार से अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार निष्पक्ष ट्रायल दिलाने की अपील की है। यह पत्र अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा को भेजा गया है। इस पत्र का नेतृत्व हाउस रूल्स कमेटी के रैंकिंग मेंबर और टॉम लैंटोस ह्यूमन राइट्स कमीशन के सह-अध्यक्ष जिम मैकगवर्न ने किया है। वे मैसाचुसेट्स के दूसरे संसदीय क्षेत्र से डेमोक्रेट सांसद भी हैं। उनके साथ 7 अन्य सांसदों ने भी इस पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। इसमें कहा गया है कि खालिद को यूएपीए के तहत 5 साल से बिना जमानत के हिरासत में रखा गया है, जो अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है। उसकी तुरंत रिहाई सुनिश्चत की जाए और मामले में निष्पक्ष सुनवाई की जाए। बताया जा रहा है कि जिम मैकगवर्न और अन्य सांसदों ने दिसंबर की शुरुआत में उमर खालिद के माता-पिता से मुलाकात की थी। इसके बाद उन्होंने भारत सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप की अपील की है। अमेरिकी सांसदों ने खालिद की गिरफ्तारी को धार्मिक स्वतंत्रता से जोड़ा। खालिद का मामला भड़काऊ भाषण और सांप्रदायिक हिंसा से जुड़ा है, इसलिए इस मामले में अमेरिका भारत को नसीहत न दे और खुद को संभाले। देखा जाए तो भारत में अमेरिका की बजाय कानून काफी लचीला है, भारतीय कानून में कॉमन लॉ, प्रथागत कानून और धार्मिक कानून का मिश्रण है, वहीं अमेरिकी कानून मुख्य रूप से अंग्रेजी कॉमन लॉ पर आधारित है। अमेरिका में राष्ट्रपति राष्ट्राध्यक्ष और सरकार का प्रमुख होता है, जबकि भारत में राष्ट्रपति राष्ट्राध्यक्ष और प्रधानमंत्री सरकार का प्रमुख होता है। भारत का कहना है कि खालिद को फरवरी 2020 के भाषणों के माध्यम से सांप्रदायिक हिंसा भड़काने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है और यह एक कानूनी मामला है। इसमें भारतीय कानून के हिसाब से काम चलेगा। अमेरिका को पहले अपने घर को संभालना चाहिए, फिर दूसरों को नसीहत देने की सोचनी चाहिए। भारत एक स्वतंत्र देश है और उसमें अपनी समस्याओं का समाधान खुद निकालने की क्षमता है। अमेरिका को अपने देश में मानवाधिकारों की स्थिति पर ध्यान देना चाहिए, जैसे कि नस्लवाद, बंदूक हिंसा और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी। भारत को अपनी समस्याओं का समाधान निकालने के लिए अमेरिका की नसीहत की जरूरत नहीं है। भारत अपनी नीतियों और निर्णयों के लिए स्वतंत्र है और हमेशा अपने देश के हितों को प्राथमिकता दी है और आगे भी देता रहेगा। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्णयों से वैसे भी अमेरिका की छवि विश्वस्तर पर प्रभावित हुई है। इससे पहले ममदानी ने खालिद को लेकर लिखा था, 'मैं अक्सर आपकी कड़वाहट को लेकर कही गई बातों को याद करता हूं और यह सोचता हूं कि उसे खुद पर हावी नहीं होने देना कितना जरूरी है।' बता दें कि हाल ही में दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने उमर खालिद को बहन की शादी में शामिल होने के लिए अस्थायी रूप से 16 दिसंबर से 29 दिसंबर तक अंतरिम जमानत दी थी। खालिद पर दिल्ली दंगों की साजिश मामले में यूएपीए के तहत चार्जशीट दाखिल की गई है। उसकी नियमित जमानत याचिका फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।

दूषित पेयजल
प्रमोद भार्गव

स्वच्छता की चादर से ढकी गंदगी

> भागीरथपुरा में नर्मदा नदी से पाइप लाइन के जरिए आने वाले जल में शौचालय का दूषित जल शुद्ध पेयजल में लंबे समय से मिलता रहा। बस्ती के लोग इस पानी को यह मानकर पीते रहे कि नगर निगम द्वारा पिलाया जाने वाला जल शुद्धता के मानकों पर खरा होगा ही। धरती के नीचे बह रहा सीवर का मल नर्मदा के जल में पाइप लाइन फूट जाने से घुलता रहा। लोगों को जब पानी में गंदगी का अहसास हुआ तो शिकायत भी की गई जब 15 लोगों की मौत हो गई और 1000 के करीब लोग अस्पतालों में भर्ती हो गए, तब प्रशासन जागा और स्थल की खुदाई की। तब कहीं जाकर पता चला कि सीवर और पेयजल की लाइनें फूट जाने से नर्मदा जल में गंदगी डेढ़ वर्ष से विलय हो रही थी।

इंदौर मध्य प्रदेश ही नहीं देश के स्वच्छतम शहरों की श्रेणी में रहा है, लेकिन अब इसकी सच्चाई ने उजागर कर दिया कि इस महानगर की गंदगी को स्वच्छता की चादर से ढक दिया गया था, जिससे इंदौर को देशव्यापी स्वच्छता का खिताब मिलता रहे। किंतु अब दूषित पेयजल से हुईं 15 मौतों ने झूठ से पर्दा उठा दिया है। स्वच्छता के कथित मानकों पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं, लेकिन इन सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर हम अपने नागरिकों को शुद्ध पेयजल पिलाने में क्यों असफल सिद्ध हो रहे हैं।

मानव शरीर के लिए शुद्ध पेयजल पहली जरूरत है, क्योंकि हम बिना भोजन के तो जीवित रह सकते हैं, लेकिन जल के बिना जीवन कतई संभव नहीं है। मानव शरीर में 70 प्रतिशत जल की उपलब्धता है। भागीरथपुरा में नर्मदा नदी से पाइप लाइन के जरिए आने वाले जल में शौचालय का दूषित जल शुद्ध पेयजल में लंबे समय से मिलता रहा। बस्ती के लोग इस पानी को यह मानकर पीते रहे कि नगर निगम द्वारा पिलाया जाने वाला जल शुद्धता के मानकों पर खरा होगा ही। धरती के नीचे बह रहा सीवर का मल नर्मदा के जल में पाइप लाइन फूट जाने से घुलता रहा। लोगों को जब पानी में गंदगी का अहसास हुआ तो शिकायत भी की गई, लेकिन निगम और जिला प्रशासन के कानों में जूं तक नहीं रेंगी। जब 15 लोगों की मौत हो गई और 1000 के करीब लोग अस्पतालों में भर्ती हो गए, तब प्रशासन जागा और नागरिकों द्वारा बताए स्थल की खुदाई की। तब कहीं जाकर पता चला कि सीवर और पेयजल की लाइनें फूट जाने से नर्मदा जल में गंदगी डेढ़ वर्ष से विलय हो रही थी। इस कारण लोगों की प्रतिरोधात्मक क्षमता घटती गई और बीमारी एवं मौत कहर बनकर टूट पड़े। अब कुछ कर्मचारियों को निलंबित करके प्रशासन मामले को ठंडा करना चाहता है, लेकिन निलंबन कोई सजा नहीं है। नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय इंदौर के इसी निर्वासन क्षेत्र से निर्वाचित हैं और पेयजल की आपूर्ति करने वाला विभाग भी उन्हीं के अधीन है। अतएव जब जिम्मेदार मंत्री से इस जानलेवा लापरवाही से जुड़े सवाल किए गए तो उन्होंने बौखलाकर आपा खो दिया और बोले, ये सब फोकट के सवाल हैं, इन्हें मत पूछिए। यह उनकी संवेदनहीनता दर्शाने वाला उत्तर था। इस वीडियो के वायरल होने के बाद जब उनकी थू-थू हुई तो उन्होंने खेद जताकर मुक्ति पा ली। साफ है कि भाजपा सरकार के मंत्री इस हद तक मद में चूर हो गए हैं कि अब उन्हें अपने उत्तरदायित्वों का उचित ख्याल तक नहीं रहता। यदि रहता तो कैलाश विजयवर्गीय को एहसास होता कि इस तरह की लापरवाही का उपचार महज सरकारी खानापूर्ति न होकर सजगता के साथ समस्या का हल खोजना था। इस दूषित पेयजल कांड के चलते इंदौर नगर निगम के महापौर पुष्यमित्र भार्गव तो इतने विचलित हुए कि जब अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने उनके निर्देश को महत्व नहीं दिया तो उन्होंने यहां तक कह दिया कि अधिकारी सुनते नहीं हैं, इसलिए ऐसी प्रशासनिक व्यवस्था में काम करना मुझ जैसे व्यक्ति के लिए संभव नहीं है, अधिकारी बातचीत करने तक को तैयार नहीं हैं।

इस संदेश को मुख्यमंत्री तक पहुंचा दीजिए। भार्गव कलेक्टर शिवम वर्मा पर भी नाराज हुए। दरअसल,

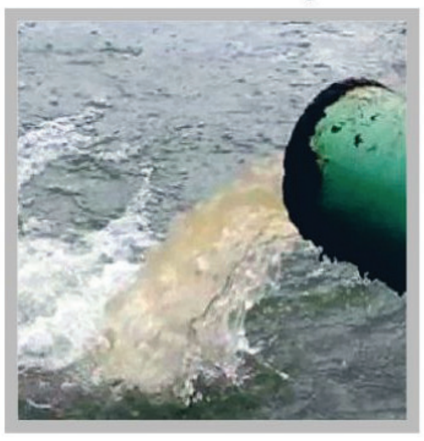

भार्गव ने मौतों का सिलसिला शुरू होने से पहले कलेक्टर को कहा था कि भागीरथपुरा से उल्टी-दस्त की शिकायत आ रही हैं। शुद्ध पानी की कमी शरीर में ऐसी बीमारियों को पैदा करने का सबब बनता है कि समय पर उपचार नहीं हुआ तो मौत निश्चित है।

इस दूषित जल के कारण उल्टी-दस्त, डायरिया, टाइफाइड और हेपेटाइटिस भी जैसी बीमारियां पेट में जन्म ले लेती हैं। यही हश्र भागीरथपुरा में रहने वाले लोगों का हुआ। यदि इंदौर को लगातार कई साल तक स्वच्छता के तमगे नहीं मिले हो तो शायद इन मौतों की देश-परदेश के मीडिया में चर्चा भी नहीं हुई होती? लेकिन कार्यपालिका और विधायिका तमगों के लिए किस तरह से गंदगी पर चादर बिछाती है, यह हकीकत इंदौर में हुई इन मौतों ने सामने ला दी है। हालांकि, यहां पानी का टैंकर सुविधा के लिए भेजा जा रहा है, लेकिन इसका पानी उपयोग करने में भी लोग डर रहे हैं। वह आरओ का पानी मंगवाकर पी रहे हैं। दरअसल नागरिकों को शुद्ध पानी पिलाने के दावे चाहे जितने किए जाएं, ये हकीकत से बहुत दूर है। इसीलिए भारत में जल जनित बीमारियों की बहुलता पूरे साल बनी रहती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़े बताते हैं कि दुनिया के पौने दो अरब लोग दूषित पानी पीने के लिए अभिशप्त हैं। इस कारण दुनियाभर में हर साल पचास लाख से ज्यादा लोग दूषित पानी पीकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर देते हैं। मध्यप्रदेश में ज्यादातर नगरीय निकायों की हालात बहुत खराब है। कोई भी निकाय यह दावा नहीं कर सकता कि वह शुद्ध पानी पिला रहा है। ज्यादातर नगरीय निकायों में पानी की मानकों के अनुसार जांच ही नहीं होती है। यह लापरवाही तब से और ज्यादा बरती जाने लगी हैं, जब से आरओ और बोतलबंद पानी की सुविधा सक्षम लोगों के लिए उपलब्ध हो गई है। मध्यप्रदेश में बारहमासी नदियां होने के कारण पानी की कोई कमी नहीं है। पानी बरसता भी खूब है। इन्हीं नदियों पर बने बांधों से ज्यादातर नगरों में पेयजल प्रदाय किया जाता है, लेकिन हम अपने इस प्राकृतिक वरदान को तात्कालिक लाभ के चलते अभिशाप में बदलने में लगे हुए हैं। औद्योगिक क्षेत्र की अर्थ दोहन की ऐसी ही लापरवाहियों के चलते मध्यप्रदेश के मालवा क्षेत्र में लगे स्टील संयंत्र रोजाना करीब 60 टन दूषित मलवा नदियों में बहा कर उन्हें जहरीला तो बना ही रहे हैं, मनुष्य-मवेशी व अन्य जलीय जीव-जन्तुओं के लिए जानलेवा भी साबित बना रहे हैं। दरअसल इन स्टील संयंत्रों में लोह के तार व चद्दरों को जंग से छुटकारा दिलाने के लिए 32 प्रतिशत सान्द्रता वाले हाइड्रोक्लोरिक अम्ल का इस्तेमाल किया जाता है। तारों और चद्दरों को तेजाब से भरी बड़ी-बड़ी हौदियों में जब तक बार-बार डुबोया जाता है, तब तक ये जंग से मुक्त नहीं हो जातीं ?

बाद में बेकार हो चुके तेजाब को मलबा की चामला नदी से जुड़े नालों में बहा दिया जाता है। इस कारण नदी का पानी लाल होकर प्रदूषित हो जाता है, जो जीव-जंतुओं को हानि तो पहुंचाता ही है, यदि इस जल का उपयोग सिंचाई के लिए किया जाता है तो यह जल फसलों को भी पर्याप्त नुकसान पहुंचाता है। पूरे मध्यप्रदेश में इस तरह की पंद्रह औद्योगिक इकाइयां हैं। अकेले मालवा क्षेत्र और इंदौर के आसपास ऐसी दस इकाइयां हैं, जो खराब तेजाब आजू-बाजू की नदियों में बहा रही हैं। ये छोटी नदी और नाले आगे जाकर नर्मदा में विलय होते हैं। साफ है, नर्मदा के जल को दूषित करने के एक नहीं अनेक कारण हैं, जिनके समाधान प्रदेश की सरकार पिछले 20 साल से नहीं खोज पाई है।

(लेखक वरिष्ठ साहित्यकार और पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

दिवस विशेष

बाल मुकुन्द ओझा

बॉडी रहेगी फिट तो माइंड भी रहेगा हिट

इंटरनेशनल माइंड बॉडी वेलनेस डे यानि अंतरराष्ट्रीय मन-शरीर कल्याण दिवस हर साल 3 जनवरी को दुनियाभर में मनाया जाता है। आज की भागदौड़ भरी लाइफ स्टाइल में शरीर और मन के बीच सामंजस्य स्थापित करना काफी कठिन हो गया है। ऐसे में ये दिन स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण एक है। इस दिन का इतिहास मशहूर ज्ञानी हिप्पोक्रेट्स से जुड़ा हुआ है। हिप्पोक्रेट्स को प्राकृतिक चिकित्सा के संस्थापक का दर्जा दिया गया है और उनकी की गई खोज आज भी दुनियाभर में मौजूद है और प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही है। हिप्पोक्रेट्स का मानना है कि स्वस्थ शरीर से हमें एक स्वस्थ दिमाग की प्राप्ति होती है। शरीर को स्वस्थ और फिट रखने की कोशिशें एक बार फिर परवान पर है। हेल्दी डाइट, एक्सरसाइज, अच्छी नींद आदि आदतें हम रोजाना के जीवन में अपनाएं। शारीरिक गतिविधियां फिट और हेल्दी रहने के लिए जरूरी है कि आप रोजाना फिजिकल एक्टिविटी के लिए समय निकालें और अपनी सेहत का ख्याल रखें। फिजिकल एक्टिविटी, जैसे कि एक्सरसाइज, योग और वॉक न केवल हमारे शारीरिक स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है बल्कि हमारे मानसिक और समग्र स्वास्थ्य के लिए भी बेहद जरूरी है। जब आप शारीरिक रूप से एक्टिव रहते हैं, तो शरीर की ऊर्जा बढ़ती है। जिसे 'हैप्पी हार्मोन' भी कहा जाता है। यह हार्मोन हमें खुश और संतुष्ट महसूस कराता है, जिससे तनाव और एंग्जायटी जैसी समस्याएं कम हो सकती हैं। देश में 54 प्रतिशत लोगों की शारीरिक गतिविधियां करने में कोई रुचि नहीं है और 10 फीसदी से कम लोग मनोरंजन के तौर पर शारीरिक गतिविधियां करते हैं। आईसीएमआर डेटा में इस बात का खुलासा हुआ है। आजकल आर्थराइटिस जैसी जोड़ों की बीमारियां उम्र तक सीमित नहीं रह गई हैं बल्कि शारीरिक रूप से काम न करना भी इस बीमारी के बोझ को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के आंकड़ों बताते हैं कि 54.4 फीसदी लोगों की शारीरिक गतिविधियां करने में रुचि नहीं है। इस सरकारी एजेंसी द्वारा की गई स्टडी के अनुसार लोग यात्रा और मनोरंजन से जुड़ी शारीरिक गतिविधियों के मुकाबले काम में ज्यादा समय बिताते हैं। आलसी जीवनशैली, कसरत न करना या प्रोफेशनल की देखरेख के बिना कसरत करने से युवाओं के जोड़ों के लिगामेंट में दिक्कतें होने लगती हैं। चिकित्सकों का कहना है फिजिकली एक्टिव रहना, न केवल हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को सुधारता है बल्कि हमारे समग्र स्वास्थ्य के लिए भी जरूरी है। नियमित फिजिकल एक्टिविटी मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने, तनाव को कम करने और जीवन को बेहतर बनाने में सहायक होती है। ऐसे में लोगों को अपनी पसंद के अनुसार फिजिकल एक्टिविटी में खुद को बिजी रखना चाहिए। तेज चलना, बागवानी या भारोत्तोलन आपका वजन कम करने के अलावा आपको खुश भी रख सकते हैं।

शोध में इसका खुलासा हुआ है कि आपकी शारीरिक गतिविधियों की निरंतरता और उन्हें करने की क्षमता आपकी खुशी के स्तर को बढ़ाती है। शोधकर्ताओं के एक दल ने पाया कि एक सप्ताह में एक बार शारीरिक श्रम करने वाला एक सामान्य वजन का वयस्क बिना शारीरिक श्रम के पूरा सप्ताह गुजारने वाले समान वजन के वयस्क की अपेक्षा 1.4 गुना ज्यादा खुश रहा जबकि सामान्य से अधिक वजन का वयस्क 1.5 गुना ज्यादा खुश रहा। बदलती जीवनशैली के चलते दफ्तर में घंटों बैठे रहकर काम करने और फिर घर में निष्क्रिय जीवन जीने से हमारे शरीर में जंग लगने लगा है और हम बीमारियों का आसान शिकार बनते जा रहे हैं। यह स्थिति तब और भी ज्यादा बिगड़ जाती है जब उम्र 25 पार करती है। 40 की उम्र में आते-आते ज्यादातर लोग आजकल बेहद अनफिट हो जाते हैं। ऐसे में कोलेस्ट्रॉल लेवल के बढ़ने, ब्लड प्रेशर और शुगर लेवल के नॉर्मल न रह पाने, हड्डियों के भुरभुरा होने, मसल्स में तकलीफ होने, तनाव, डिप्रेशन, मोटापा आदि जैसी समस्याएं घर करने लगती हैं। डिप्रेशन तनाव, चिंता और उदासी का बहुत बड़ा कारण बनता है, जो जल्द ही आपके जीवन पर असर करना शुरू कर देता है। इससे पहले कि यह गंभीर रूप धारण कर लें, डिप्रेशन से निपटने के उपाय करने चाहिए। अवसाद से निपटने का सबसे प्रभावी और प्राकृतिक तरीका शारीरिक गतिविधि है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर में 5 में से 1 वयस्क और 5 में से 4 किशोर शारीरिक गतिविधियां नहीं करते, जिससे हेल्थ केयर पर 54 अरब डॉलर का सीधा असर पड़ रहा है।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

एकनिष्ठ भक्ति

संकलित
दर्शन

अनेक महापुरुष हैं, अनेक देवी-देवता हैं, अनेक मार्ग हैं, किंतु एकनिष्ठता आवश्यक है। इसी कारण इष्ट देवता की अवधारणा है। घर की बहू सास, ससुर, जेठ, जेठानी सबका आदर सम्मान करती है, किसी की अवज्ञा या उपेक्षा नहीं करती। सबकी सेवा करती है, किंतु अपने पति को वह सबसे अधिक चाहती है। इसी तरह तुम भी अपने इष्ट देवता पर दृढ़ एकनिष्ठ भक्ति रखो, जबकि अन्य देवी-देवताओं का सम्मान करो, सबके प्रति श्रद्धा रखो। सभी देव एक ही परमेश्वर के रूप हैं। किंतु किसी एक के प्रति एकनिष्ठ रहो। चौसर के खेल में गोटी सब खानों का चक्कर लगाए बिना लक्ष्य पर नहीं पहुंचती। यदि दो गोटियां जोड़ी बांधकर इकट्ठी चलें तो उन्हें कोई काट नहीं सकता, नहीं तो अकेली गोटी लक्ष्य के पास पहुंचकर पकते-पकते भी कट जा सकती है। इसी प्रकार साधना के मार्ग पर भी यदि गुरु अथवा इष्ट के साथ युक्त होकर आगे बढ़ा जाए तो बाधा विघ्न का भय नहीं रहता, यात्रा निर्विघ्न रूप से सफल हो सकती है। एक बार किसी यात्री ने एक आदमी से कलकत्ता (अब कोलकाता) जाने का रास्ता पूछा। उस आदमी ने कहा, इस रास्ते से चले जाओ। थोड़ी दूर चलकर उसने और एक जन से रास्ता पूछा। उसने दूसरा रास्ता बताया। इस तरह वह थोड़ा सा आगे बढ़कर किसी से रास्ता पूछता तो पहले वाले का रास्ता छोड़ उस पर चल देता। ऐसा करते हुए वह रास्तों पर ही भटकता रहा, कलकत्ता नहीं पहुंच पाया। उसे किसी ऐसे व्यक्ति से रास्ता पूछना चाहिए था, जिस पर विश्वास हो कि वह सही मार्ग जानता है। एक उसी व्यक्ति से पूछकर उसके ही बताए मार्ग पर चलना चाहिए था।

संतान गुस्सा हो तो उसे शांत करने की कोशिश करें

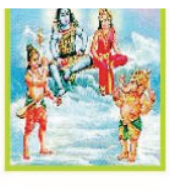

संकलित
प्रेरणा

पुराने समय में एक दिन शिव जी और पार्वती जी ने विचार किया कि अब गणेश और कार्तिकेय का विवाह कर देना चाहिए। ये विचार करने के बाद उन्होंने कार्तिकेय स्वामी और गणेश जी को बुलाया और दोनों से कहा कि आप दोनों में से जो इस संसार की परिक्रमा करके पहले आएगा, हम उसका विवाह पहले कराएंगे। कार्तिकेय स्वामी तो अपने वाहन मोर पर बैठकर तुरंत उड़ गए, लेकिन गणेश जी अपने वाहन चूहे पर बैठे हुए थे। गणेश जी ने ने तुरंत ही माता-पिता की परिक्रमा कर ली और कह दिया कि आप दोनों ही मेरे लिए संसार हैं। दूसरी ओर, कार्तिकेय स्वामी को संसार की परिक्रमा करके लौटने में थोड़ा समय लग गया। जब कार्तिकेय स्वामी परिक्रमा करके लौटे तो उन्होंने देखा कि गणेश का विवाह हो गया है। गणेश जी को विवाहित देखकर कार्तिकेय स्वामी नाराज हो गए। उन्होंने शिव-पार्वती से कहा कि आपने ये सही नहीं किया है। क्रोधित होकर कार्तिकेय स्वामी क्रौंच पर्वत पर चले गए। ये क्रौंच पर्वत आज दक्षिण भारत में कृष्णा जिले में कृष्णा नदी के तट पर स्थित है। इसे श्रीपर्वत भी कहते हैं। शिव जी और देवी पार्वती ने कार्तिकेय स्वामी को समझाने की बहुत कोशिशें कीं, लेकिन कार्तिकेय शांत नहीं हुए। शिव-पार्वती समझ गए कि कार्तिकेय बहुत ज्यादा गुस्से में है और ये वापस भी नहीं आएगा। तब दोनों ने तय कि वे ही कार्तिकेय से मिलने जाते रहेंगे। इसके बाद हर अमावस्या पर शिव जी और पूर्णिमा पर देवी पार्वती कार्तिकेय से मिलने श्रीपर्वत पर आती हैं। ऐसी मान्यता है। श्रीपर्वत पर मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग स्थित है। इस ज्योतिर्लिंग में शिव-पार्वती, इन दोनों की ज्योतियां विराजित हैं।

अंतर्मन

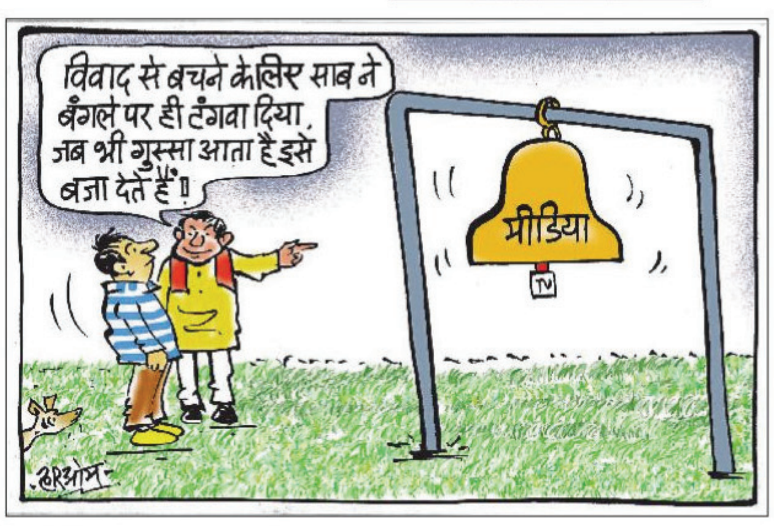

आज की पाती

उपकरणों का सावधानी से प्रयोग करना जरूरी

विज्ञान ने हमें हर मौसम से बचने के लिए बहुत सी चीजें दी हैं। लेकिन अगर हम इनका सावधानी से प्रयोग न करें तो यह हमारे लिए कभी भी हानिकारक बन सकती हैं और अक्सर खबरें भी पढ़ने और सुनने को मिलती हैं कि इन चीजों के प्रयोग करते समय कोई हादसा हो गया। सर्दियों में गैस गीजर, कोयले की अंगीठी और अन्य गर्मी प्रदान करने वाले उपकरण लोगों की जान के दुश्मन भी बन जाते हैं। सर्दियों के मौसम में नहाने के लिए लोग गैस से चलने वाले गीजर का भी प्रयोग कर रहे हैं। लेकिन इसके प्रयोग में जरा सी भी असावधानी किसी दुर्घटना को अंजाम दे सकती है। गैस गीजर को बाथरूम में लगाने के साथ-साथ एक खिडकी जरूर रखें। - **महेश वर्मा**, कांकेर

ट्रेंड

निधन से दुख हुआ

उत्तर प्रदेश के फरीदपुर के विधायक डॉ. श्याम बिहारी लाल के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। वे जनहित में समर्पित भाजपा के एक कर्मठ नेता थे, जिनके जाने से पार्टी को अपूरणीय क्षति हुई है। शोक की इस घड़ी में उनके परिजनों और समर्थकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। ओम शांति!

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

बिहू का त्योहार

इस साल असम में बिहू का त्योहार हमारी सभी बहनों के लिए खास होगा। ओरुनोदोई योजना के तहत, प्रत्येक लाभार्थी को 8,000 रुपये दिए जाएंगे। यह सिर्फ आर्थिक सहायता नहीं है, बल्कि यह हमारी बहनों के प्रति हमारी देखभाल और सम्मान को दर्शाता है।

- हिमंता बिस्वा सरमा, सीएम, असम

पुलिस का अभिनंदन

हम उप्र पुलिस का हार्दिक अभिनंदन करते हैं जो अतिरिक्त सजगता और सतर्कता से माघ मेले में निर्माणाधीन 'श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव स्मृति सेवा संस्थान' में पूरी मुस्तैदी से सुरक्षा का कार्य संपन्न कर रही है।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

डिलीवरी राइडर्स

लाखों डिलीवरी राइडर्स, जिन्होंने इंस्टेंट कॉमर्स कंपनियों को आज इस मुकाम तक पहुंचाने में योगदान दिया, अब अपनी बात सुनाने के लिए विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर हैं। गिग इकॉनमी को अपराध-मुक्त शोषण की अर्थव्यवस्था नहीं बनने दे सकते।

- राघव चड्ढा, सांसद, आम आदमी पार्टी

करंट अफेयर

पाकिस्तान के तक्षशिला में मिले दुर्लभ सिक्के व पत्थर

पाकिस्तान के पुरातत्वविदों को ऐतिहासिक शहर तक्षशिला के पास यूनेस्को-सूचीबद्ध स्थल की खुदाई के दौरान दुर्लभ सजावटी पत्थर और सिक्के मिले हैं, जिससे प्राचीन सभ्यता की सबसे प्रारंभिक शहरी बस्ती की एक दुर्लभ झलक मिलती है। पुरातात्विक महत्व की ये वस्तुएं प्राचीन भीर टीले पर मिली हैं। विशेषज्ञों ने ईसा पूर्व छठी शताब्दी के सजावटी पत्थर और दूसरी शताब्दी के सिक्के बरामद किए। समाचार पत्र 'डॉन' ने अपनी एक खबर में कहा कि अधिकारियों ने इस खोज को एक दशक में इस स्थल पर हुई सबसे अहम खोज बताया है। इसमें कहा गया कि विशेषज्ञों ने सजावटी पत्थरों के टुकड़े बरामद किए जिनकी पहचान 'लैपिस लाजुली' के रूप में की गई है और इसके साथ ही कुषाण वंश से संबंधित दुर्लभ कांस्य सिक्के भी मिले हैं, जिससे प्राचीन गांधार के भौतिक इतिहास को एक नया आयाम मिला है। पंजाब पुरातत्व विभाग के उप निदेशक आसिम डोगर ने कलाकृतियों के प्रारंभिक विश्लेषण की पुष्टि की। डोगर उत्खनन दल के प्रमुख हैं। डोगर ने कहा, 'सजावटी पत्थर लैपिस लाजुली हैं जो एक बहुमूल्य पत्थर है, जबकि सिक्के कुषाण काल के हैं।' उत्खनन दल ने धातु की कलाकृतियों की आयु निर्धारित करने के लिए विशेष फॉरेंसिक सहायता ली।

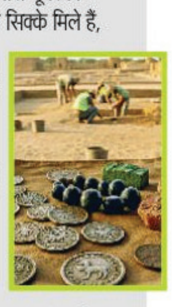

ऑफ बीट

काम करते हुए क्या अंडर डेस्क ट्रेडमिल फायदेमंद है

हालिया सर्वेक्षणों के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया में 67 लाख से अधिक लोग-यानी लगभग आधे कर्मचारी-कम से कम कुछ समय के लिए घर से काम करते हैं। सिडनी, मेलबर्न और कैनबरा में यह संख्या सबसे अधिक है। घर से काम बढ़ने के साथ लंबे समय तक बैठने की आदत भी बढ़ी है, जिसे अब स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह माना जाता है। दफ्तर जाकर काम करने पर रोजमर्रा की गतिविधियां-जैसे चलना, खड़े रहना, सहकर्मियों से मिलने जाना या बाहर लंच लेने जाना-अपने आप हो जाती हैं, लेकिन घर से काम करते समय यह कम हो जाती हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या काम के दौरान अंडर-डेस्क ट्रेडमिल या वॉकिंग पैड का इस्तेमाल कर चलना फायदेमंद हो सकता है। अध्ययनों से पता चला है कि नियमित रूप से चलने से रक्तचाप और ग्लूकोज सहनशीलता जैसे स्वास्थ्य संकेतकों में सुधार होता है। हालिया शोध में प्रतिदिन करीब 7,000 कदम चलने को कई बीमारियों की रोकथाम के लिए पर्याप्त लक्ष्य बताया गया है। शोध यह भी बताते हैं कि लंबे समय तक बैठे रहने के बजाय छोटे-छोटे अंतराल में बार-बार चलना या हल्की गतिविधि करना एक बार में लंबी सैर से अधिक लाभकारी हो सकता है।

दो करोड़ रुपये के गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

ठाणे : ठाणे शहर पुलिस की अपराध शाखा ने ओडिशा और आंध्रप्रदेश से महाराष्ट्र में गांजा तस्करी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार करके करीब 2 करोड़ का माल बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान आंध्रप्रदेश निवासी चिन्ना टागुर लक्ष्मण नायक (36) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के पास से 638 किलो गांजा और एक चारपहिया कार जब्त की है। जब्त माल की कुल कीमत करीब 2 करोड़ 14 लाख 16 हजार रुपये बताई जा रही है। इस मामले में आरोपी को 3 जनवरी तक पुलिस हिरासत में भेजा गया है। यह जानकारी ठाणे अपराध शाखा के उपायुक्त अमर सिंह जाधव ने एक पत्रकार परिषद में दी। पुलिस के अनुसार, अपराध शाखा के पुलिस हवलदार जयकर जाधव को खारेगांव टोल नाका से कळवा की ओर एक कार में गांजा लाए जाने की गुप्त सूचना मिली थी। इसके आधार पर 30 दिसंबर की शाम पुलिस ने जाल बिछाया और संदिग्ध कार को रोका।

आधार कार्ड में नाम सुधार की सूचना पत्र

अंशिका चौबे पिता आंनद चौबे निवासी ग्राम दरीर्पारा पोस्ट-दरीर्पारा तहसील भैयाथान थाना झिलमिली जिला सूरजपुर(छःग) का मूल निवासी हू।जिसमें आधार कार्ड क्रमांक 479715445181 है जिसमें त्रुटि पूर्ण नाम हंसिका एवं जन्म तिथि 01/01/2011अंकित है।जबकि सही नाम आंशिका चौबे पिता आंनद चौबे व माता सविता चौबे व जन्म तिथि 28/09/2008 व मेरे जन्म प्रमाण पत्र व अंकसूची में अंकित है जो सत्य एवं सही है।

आधार कार्ड में नाम सुधार की सूचना पत्र

खुशबू पिता प्रभुनारायण निवासी ग्राम दरीर्पारा पोस्ट-दरीर्पारा तहसील भैयाथान थाना झिलमिली जिला सूरजपुर(छःग) का मूल निवासी हू।जिसमें आधार कार्ड क्रमांक 465977940480 है जिसमें त्रुटि पूर्ण नाम कुशबू एवं जन्म तिथि 01/01/2012अंकित है।जबकि सही नाम खुशबू पिता प्रभुनारायण व माता रनिया व जन्म तिथि 28/08/2009 व मेरे जन्म प्रमाण पत्र व अंकसूची में अंकित है जो सत्य एवं सही है।

आधार कार्ड में नाम सुधार की सूचना पत्र

प्रभुनारायण पिता सोनसाय निवासी ग्राम दरीर्पारा पोस्ट-दरीर्पारा तहसील भैयाथान थाना झिलमिली जिला सूरजपुर(छःग) का मूल निवासी हू।जिसमें आधार कार्ड क्रमांक 993992902424 है जिसमें त्रुटि पूर्ण नाम रघुनारायण एवं जन्म तिथि 01/01 /1987अंकित है। जबकि सही नाम प्रभुनारायण पिता सोनसाय व माता सोनकुंवर व जन्म तिथि 20/06/1988 व मेरे जन्म प्रमाण पत्र व अंकसूची में अंकित है जो सत्य एवं सही है।

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र० /अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जसिन्ता मिंज पत्नी सुमन कुमार मिंज जाति उरांव निवासी नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम बिशुनपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 38/20 रकबा 0.081 हे0 में से 0.040 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 31/12/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 15/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा). अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जसिन्ता कुजूर पत्नी प्रमोद कुमार जाति उरांव निवासी अजिरमा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम अजिरमा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 788/3 रकबा 0.040 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, रि-नम्ब्रिंग सूची, सेटलमेन्ट, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 31/12/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 15/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा)अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०../अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रियंका रानी पत्नी बिजेन्द्र जाति कलवार निवासी पटेलपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 63/22, रकबा 0.013 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 31/12/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 15/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा)अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०...../अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मुक्ति प्रकाश कुजूर पिता फांसिस कुजूर जाति उरांव निवासी फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 263/22, रकबा 0.226 हे0 में से 0.024 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, अधिकार अभिलेख, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 31/12/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आंपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 15/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा)अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०.../अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बैकुण्ठ प्रसाद पटेल पिता रामदास पटेल जाति कुनबी निवासी सोनडीहा तहसील प्रतापपुर जिला सूरजपुर (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थितं ग्राम सुभाषनगर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 168/4 रकबा 0.016 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 31/12/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 15/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा)अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०./अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुषमा दास पत्नी दीपक दास जाति पनिका निवासी चिताबहार तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम चिताबहार तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 140/4 रकबा 0.028 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, पंचायत प्रस्ताव, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 31/12/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।आज दिनांक 15/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा)अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०./अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कांती केरकेट्टा पत्नी रवि मिंज जाति उरांव निवासी बरटिकरा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम भगवानपुरखुर्द तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 176/6 रकबा 0.020 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 31/12/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 15/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा)अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक लीलावती सोनी पत्नी सेरेश सोनी जाति सोनार निवासी ओड़गी तहसील ओड़गी जिला सूरजपुर (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 120/130 रकबा 0.012 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 31/12/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 15/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा),अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक लालमनी आ० केन्दा जाति उरांव निवासी अजिरमा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम अजिरमा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 873/2 रकबा 0.030 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 31/12/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 15/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा)अम्बिकापुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ०ग०) -

ईश्तहार

रा०प्र०क०-2512021700051/अ-27/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक करमू आ० रघुबीर व अन्य, निवासी ग्राम डिगमा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० द्वारा द्वारा ग्राम डिगमा स्थित भूमि खसरा न० 13, 23/1, 31/1, 136, 153, 157, 173, 179, 180, 188, 199, 254, 261, 294, 306, 313 कुल खसरा नंबर 16 कुल रकबा 5.680 हे० भूमि का अनावेदक धरमी पिता नन्हाई व अन्य, निवासी ग्राम डिगमा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के मध्य खाता विभाजन कराने बावत आवेदन छ०ग० भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा, 178 के तहत प्रस्तुत की गई है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 07/01/2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा । आज दिनांक 16/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-2

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०.अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक तुलसी राम पिता राम किशन जाति श्रीगढ़ निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम श्रीगढ़ तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग०) खसरा नंबर 162/60 रकबा 0.010 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, सेटलमेन्ट, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 31/12/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 15/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा)अम्बिकापुर

फुटबाल गोल्ड कप प्रतियोगिता का विधायक ने किया शुभारम्भ

महाराजगंज जनपद के परतावल बाजार स्थित पंचायत इंटर कॉलेज के खेल मैदान पर पी.आई.सी. फुटबॉल गोल्ड कप प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ उत्साह और खेल भावना के साथ हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि पनियरा विधायक ज्ञानेंद्र सिंह एवं विशिष्ट अतिथि सदर विधायक जय मंगल कन्नौजिया ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर तथा फुटबॉल को किक मारकर किया। मैदान पर मौजूद हजारों खेल प्रेमियों की तालियों के बीच प्रतियोगिता का आगाज हुआ, जिससे पूरा वातावरण खेलमय हो गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पनियरा विधायक ज्ञानेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास का माध्यम है

अटल आवासीय विद्यालय में प्रवेश के लिए नियमों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश

संवाददाता

गोरखपुर ।मण्डलायुक्त अनिल ढींगरा ने आयुक्त सभागार में आयोजित अटल आवासीय विद्यालय सहजनवां की मण्डल स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कक्षा 8 एवं 9 में प्रवेश से संबंधित नियमों और प्रक्रिया का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि पात्र अभ्यर्थियों तक सही जानकारी समय से पहुंच सके। मण्डलायुक्त ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 में अटल आवासीय विद्यालय सहजनवां में कक्षा 8 एवं 9 में प्रवेश के लिए 31 जनवरी 2026 तक आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। इच्छुक एवं पात्र छात्र-छात्राएं ऑनलाइन तथा ऑफलाइन, दोनों माध्यमों से आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आवेदन प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और सुलभ बनाया जाए, जिससे किसी भी अभ्यर्थी को आवेदन करने में कठिनाई न हो।

राजा का रामपुर पुलिस ने वारंटी किया गिरफ्तार

एटा पुलिस ने वारंटी अभियुक्त देवेंद्र पुत्र बलिस्टर को गिरफ्तार किया है यह कार्रवाई राजा का रामपुर थाना क्षेत्र में 3 जनवरी को की गई जो वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्याम नारायण सिंह के निर्देश में चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है देवेंद्र नगला नौगजा थाना राजा का रामपुर का निवासी है

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, पत्थलगांव जिला जशपुर के न्यायालय में मामला कमांकः 20251203110037

विषयः- अ-2
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सत्तः-2025-2026
गोडीकला प.ह.न. 00011 [109/7(0.3320 20)]

पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार इलिसियुस लकड़ा पिता सोनसाय लकड़ा,

अनावेदक पक्षकार छ.ग.शासन,

ईश्तहार

एतद द्वारा समस्त आम जनता ग्राम गोडीकला प.ह.न. 11, तहसील पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदक इनिसियुस लकड़ा पिता सोनसाय लकड़ा जाति उरांव, निवासी ग्राम छातासराई, तहसील पत्वलगांव, जिला जशपुर (छ.ग.) के द्वारा सारिणी में उल्लेखित ग्राम गोहीकला प. ह. नं. 11 स्थित आवेदित भूमि ख.नं. 109/7 रकबा 0.332 है. (3363.19 वर्गमीटर) भूमि को व्यवसायिक प्रयोजनार्थ (गोदाम निर्माण) के लिये व्यपवर्तन कराये जाने हेतु. मय आवेदित भूमि के नक्शा, खसरा, बी-1 की छायाप्रति सहित छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 172 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त मामले की सुनवाई दिनांक 07.01.2026 को स्थान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पत्थलगांव के न्यायालय में न्यायालयीन समय प्रातः 10.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक होना नियत किया गया है, अतः इसमें जिस किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत दिनांक/समय स्थान को मेरे समक्ष न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त किसी भी दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा

प्रतिवेदन एवं प्रयोजनार्थ ले-आउट नगर निवेश जशपुर से अनुमोदनार्य सहित समयावधि में दिनांक 07/01/2026 तक जमा करें, अन्यथा शासनादेशानुसार निराकरण किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 17/12/2025 को जारी किया जाता है।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व
पत्थलगांव जिला जशपुर

न्यायालय तहसीलदार पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ०ग०)

रा०मा०क्र०-/अ-21/2025-26

ग्रामः- पत्थलगांव, तहसील पत्थलगांव

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता नगर पालिका परिषद, पत्थलगांव को सूचित किया जाता है कि आवेदक विनय कुमार पिता गणेश प्रसाद अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी ग्राम/तहसील पत्थलगांव जिला जशपुर (छ०ग०) की ओर से मुख्त्यार आम रमेश शर्मा पिता रामशरण शर्मा जाति ब्राम्हण निवासी ग्राम पत्थलगांव जिला-जशपुर (छ०ग०) के द्वारा ग्राम पत्थलगांव, प०ह०नं० 06 रा०नि०म० / तहसील पत्थलगांव जिला जशपुर (छ०ग०) में स्थित आवेदक के नाम पर नजूल नगर, पत्थलगांव में स्थित प्लॉट नम्बर 28/5 रकबा 220 वर्गफुट को अनावेदक शिवांश शर्मा पिता रमेश शर्मा जाति ब्राम्हण निवासी ग्राम पत्थलगांव जिला-जशपुर (छ०ग०) को आवेदन पत्र प्रस्तुत करने पर प्रकरण अनुविभागीय अधिकारी (रा०) पत्थलगांव के माध्यम से इस न्यायालय को जाँच कर प्रतिवेदन हेतु प्राप्त हुआ है। प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त भूमि का विक्रय पत्र के माध्यम से किये जाने के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को उजर आपत्ति या दावा हो वह स्वंय अथवा मान्य अधिवक्ता अथवा वैध अभिकर्ता के मय दस्तावेज दावा या आपत्ति दिनांक 09/01/2026 तक न्यायालय में पेश कर सकता है। नियत समय पश्चात्प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 24/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार पत्थलगांव
जिला-जशपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०/अ-20(3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका मंजू गुप्ता आ० स्व० विनय गुप्ता, श्रीमती संगीता गुप्ता पत्नी स्व० संतोष गुप्ता, संकल्प गुप्ता आ० स्व० संतोष गुप्ता, निशांत गुप्ता आ० स्व० विनय गुप्ता, संध्या गुप्ता पत्नी स्व० कमलेश गुप्ता, मीठी गुप्ता पुत्री स्व० कमलेश गुप्ता सभी जाति हलवाई निवासी ब्रम्हरोड शीतला वार्ड नंबर-33 बाबूपारा अम्बिकापुर, थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, सलिल गुप्ता आ० कमलेश गुप्ता स्वंय हेतु एवं उपरोक्त सभी की ओर से पंजीकृत पावर आफ एटार्नी होल्डर सलिल गुप्ता आ० कमलेश गुप्ता निवासी ब्रम्ह रोड, शीतला वार्ड नंबर बाबूपारा अम्बिकापुर के द्वारा अपने संयुक्त स्वामित्व की मोहल्ला बम्हरोड शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित भूमि 903/3 रकबा 0. 02 एकड़ भूमि से अपना हक अनावेदक श्वेता गुप्ता पत्नी स्व० गुंजन गुप्ता, अंश गुप्ता आ० स्व० गुंजन गुप्ता, ना.बा. पार्थ गुप्ता आ० स्व० गुंजन गुप्ता की ओर से बली माता श्रीमती श्वेता गुप्ता पत्नी स्व० गुंजन गुप्ता निवासी ब्रम्ह रोड, शीतला वार्ड नम्बर-33 बाबूपारा अम्बिकापुर के पक्ष में हक त्याग करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रदान करने हेतु मेन्टनेन्स खसरा, दस्तावेज सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-21/01/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक-15/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०-/ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विरोधन राम आ०जदू राम जाति पण्डो निवासी ग्राम बिशुनपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम बिशुनपुर स्थित खसरा नंबर 1/85, 1/86 रकबा 0.118, 0.108 हे० भूमि को अनावेदक रामसेवक आ० रामसाय जाति उरांव व अन्य निवासी ग्राम बकिरमा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के पास अंकन राशि रुपए 6,70,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एंव प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 07/01/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांकः 19/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर, सरगुजा

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शकुन्तला देवी पत्नी शिवकुमार गुप्ता जाति सुण्डी निवासी रेहड़ा तहसील शंकरगढ़ जिला बलरामपुर (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 214/12 रकबा 0.016 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 30/12/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 12/12/ 2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा),
अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०./अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रियंका पटेल पिता नागेन्द्र प्रसाद पटेल जाति कुनबी निवासी गांधीनगर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 69/7 रकबा 0.038 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 31/12/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 15/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा), अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०../अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शान्ता कुमार सिंह पिता बच्चा राम जाति कंवर निवासी पथरई तहसील बतौली जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम गंगापुरखुर्द तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 74/21 रकबा 0.028 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 31/12/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 15/ 12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा), अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, पत्थलगांव जिला जशपुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 20251203110044

विषयः-अ-2
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सत्तः-2025-2026
गोडीकला प.ह.न. 00011 [110/2(0.2220 है०)]

पक्षकारों का विवरण आवेदक पक्षकार श्रीमती दुर्गा देवी पति सतीश,

अनावेदक पक्षकार छ.ग.शासन,

ज्ञापन

आवेदिका श्रीमती दुर्गा देवी पति सतीश जाति अग्रवाल निवासी ग्राम पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ.ग.) के द्वारा ग्राम गोडीकला प.ह.न. 11., रा.नि.मं. केराकछार, जिला-जशपुर (छ.ग.) स्थित भूमि ख.नं. 110/2 रकबा 0.222 हे0 (2220 वर्गमीटर) भूमि को औद्योगिक प्रयोजनार्थ (फ्लाईएस निर्माण) के लिये व्यपवर्तन कराये जाने हेतु छ.ग.भू. राजस्व संहिता 1959 की धारा 172 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अनापत्ति/प्रतिवेदन समय सीमा में प्रस्तुत करें। उपरोक्त सम्बन्ध में दिनांक 14/01/2026 के पूर्व अभिमत / प्रतिवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत करें। यह ज्ञापन मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 22/12/2025 को जारी किया जाता है।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व
पत्थलगांव जिला जशपुर

कवर्धा प्रीमियर लीग से जिले में खेल संस्कृति को मिला नया आयाम, युवाओं को मिला प्रतिभा निखारने का सशक्त मंच- उपमुख्यमंत्री शर्मा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की विशेष पहल पर आयोजित कवर्धा प्रीमियर लीग का फाइनल मुकाबला कवर्धा के वार्ड नंबर 08 एवं ग्राम सारी के मध्य कवर्धा के करपात्री स्टेडियम में खेला गया। यह मुकाबला दर्शकों के लिए बेहद रोमांचक रहा, जिसमें अंतिम गेंद पर खेल का परिणाम तय हुआ। फाइनल मैच में वार्ड नंबर 08 की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ग्राम सारी को 101 रनों का लक्ष्य दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए ग्राम सारी की टीम को वार्ड नंबर 08 के गेंदबाजों ने अपने शानदार गेंदबाजी और अनुशासित खेल द्वारा परास्त कर टीम विजेता बनी और वार्ड नंबर 08 ने कवर्धा प्रीमियर लीग का खिताब अपने नाम किया। इस अवसर पर तीसरे स्थान के लिए ग्राम बरेंडा एवं कवर्धा के वार्ड नंबर 09 के मध्य मुकाबला खेला गया, जिसमें ग्राम बरेंडा ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज कर तीसरे स्थान प्राप्त किया। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने फाइनल मुकाबले से पूर्व विधिवत पूजा-अर्चना कर मैच का शुभारंभ किया। उन्होंने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और खेल भावना के साथ खेलने का संदेश दिया। मैच के दौरान उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने भी क्रिकेट में हांथ आजमाया और नगर पालिका अध्यक्ष एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष की गेंदों पर आकर्षक लंबे शॉट लगाया, जिससे मैदान में मौजूद खिलाड़ियों और दर्शकों का उत्साह और बढ़ गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने ग्राम बरेंडा में मिनी स्टेडियम निर्माण की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं शहरी प्रतिभाओं को बेहतर मंच और सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है, ताकि युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिल सके। उन्होंने कवर्धा प्रीमियर लीग में भाग

लेने वाले सभी खिलाड़ियों, आयोजकों एवं खेल प्रेमियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस आयोजन ने जिले में खेल संस्कृति को नई दिशा दी है। उन्होंने खिलाड़ियों द्वारा प्रदर्शित अनुशासन, समर्पण और खेल भावना की विशेष रूप से सराहना की। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के माध्यम से युवाओं को सकारात्मक दिशा, मंच और प्रोत्साहन प्रदान किया जाता रहेगा, ताकि कवर्धा जिले से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी उभर सकें।

विजेता-उपविजेता टीमों को नगद पुरस्कार व आकर्षक शील्ड प्रदान किया

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कवर्धा प्रीमियर लीग के समापन अवसर पर विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली कवर्धा वार्ड नंबर 08 की टीम को 1 लाख 11 हजार रुपए की पुरस्कार राशि एवं आकर्षक शील्ड प्रदान की गई। वहीं, प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान हासिल करने वाली ग्राम सारी की टीम को 51 हजार रुपए एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली ग्राम बरेंडा की टीम को 31 हजार रुपए की पुरस्कार राशि एवं शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। उन्होंने बेस्ट बॉलर, बेस्ट बैट्समैन, मैन ऑफ द सीरिज खिलाड़ियों को भी शील्ड मोमेंटो देकर सम्मानित किया। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने सभी विजेता एवं सहभागी टीमों को बधाई देते हुए कहा कि कवर्धा प्रीमियर लीग जैसे आयोजनों से जिले में खेल संस्कृति को बढ़ावा मिला है तथा युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का सशक्त मंच प्राप्त हो रहा है। उन्होंने खिलाड़ियों के अनुशासन, मेहनत और खेल भावना की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के निरंतर आयोजन की बात कही।

जिले के इतिहास का सबसे बड़ा क्रिकेट टूनार्मेंट

कवर्धा विधायक एवं उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित कवर्धा प्रीमियर लीग का आयोजन कवर्धा विधानसभा क्षेत्र के सात मंडलों में किया गया। प्रत्येक मंडल में अलग-अलग स्तर पर टूनार्मेंट आयोजित हुए, इसमें ग्रामीण अंचलों के साथ-साथ सुदूर वनांचल की अनेक टीमों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रत्येक मंडल से 4-4 शीर्ष टीमें चयनित होकर सुपर-28 लीग में पहुंचीं।

मरार पटेल समाज में सहकारिता की भावना हर व्यक्ति में है विद्यमान - उपमुख्यमंत्री शर्मा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। माता शाकम्बरी जयंती के अवसर पर सोमवार को उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा रायपुर के घड़ी चौक में आयोजित जयंती समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने माता शाकम्बरी की विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेश में सुख, समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की और पटेल समाज के जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर उन्होंने लोगों को सब्जियों का निःशुल्क वितरण भी किया। उन्होंने समाजजनों को संबोधित करते हुए कहा कि मरार पटेल समाज एक उद्यमी, संगठित और सुव्यवस्थित समाज है। अपने श्रम और उद्यम के आधार पर उनकी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने बताया कि समाज के श्रम को बाड़ी में उत्पादन से लेकर देश के बड़े बड़े बाजारों तक उनके उत्पादों को पहुंचा कर उचित प्रतिफल दिलाने के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह द्वारा शाकम्बरी बोर्ड का गठन किया गया था। जिसका बहुत अच्छा परिणाम हमें प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि मरार पटेल समाज में सहकारिता की भावना हर व्यक्ति में विद्यमान है। जन जन और हर मन में स्वाभाविकता से बसे इस सहकारिता के भाव के साथ हमें आगे बढ़ना है और समाज एवं प्रदेश के विकास के लिए कार्य करना है। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने माता शाकम्बरी से प्रार्थना करते हुए कहा कि माता की कृपा से सभी के घरों में धन-धान्य की वर्षा हो, खेत-खलिहान लहलहाते रहें, सभी नागरिक स्वस्थ और सुखी रहें तथा राज्य निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर हो। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार समाज के सभी वर्गों के साथ मिलकर गांव, गरीब, किसान और श्रमिक के उत्थान के लिए सतत प्रयास कर रही है। इस अवसर पर राज्य मरार पटेल समाज के अध्यक्ष शंकर पटेल, राम कुमार पटेल, अशोक पटेल, परदेशी पटेल, केके पाटिल, ब्रम्हदेव पटेल, राजेन्द्र पटेल, मोतीराम पटेल, प्रमोद पटेल, बाकीराम पटेल, ईश्वर पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं समाज के सदस्य उपस्थित रहे।

बिहान योजना से तय हुआ दिल्ली तक का सफर, गणतंत्र दिवस पर सम्मानित होंगी 'लखपति दीदी-लता साहू'

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत बिहान योजना आज जमीनी स्तर पर सकारात्मक बदलाव की सशक्त मिसाल बन चुकी है। इसी योजना से जुड़कर कबीरधाम जिले के ग्राम सेमो की लता साहू ने अपने आत्मविश्वास, परिश्रम और महिला स्व-सहायता समूह की ताकत से सफलता की प्रेरक कहानी लिखी है। लता साहू की आर्थिक स्थिति पहले सामान्य थी। सीमित आय के कारण परिवार की

दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करना कठिन हो जाता था। ऐसे समय में उन्होंने महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ने का निर्णय लिया, जो उनके जीवन का निर्णायक मोड़ साबित हुआ। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें न केवल बचत की आदत पड़ी, बल्कि समूह के माध्यम से आजीविका ऋण भी प्राप्त हुआ। इस ऋण राशि का सदुपयोग करते हुए लता साहू ने टेंट एवं कैटरिंग व्यवसाय की शुरूआत की। प्रारंभ में छोटे स्तर पर शुरू किया गया यह व्यवसाय धीरे-धीरे उनकी आय का स्थायी और मजबूत साधन बन गया। समय पर कार्य, गुणवत्ता और निरंतर मेहनत के बल पर उनका व्यवसाय लगातार आगे बढ़ता गया, जिससे उनकी मासिक एवं वार्षिक आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। आज लता साहू लखपति दीदीह्व के रूप में पहचानी जाती हैं। वे न केवल स्वयं आर्थिक रूप से सशक्त हुई हैं, बल्कि अपने परिवार की जरूरतों को आत्मसम्मान के साथ पूरा करने में भी सक्षम बनी हैं। लता साहू की सफलता ने महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ी अन्य महिलाओं को भी प्रेरित किया है। आज कई महिलाएं उन्हें आदर्श मानकर स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। लता साहू कहती हैं कि बिहान योजना ने मुझे आत्मविश्वास दिया। समूह की ताकत और सही मार्गदर्शन से मैं आज अपने पैरों पर खड़ी हूं। आज लता साहू पूरे कबीरधाम जिले के लिए प्रेरणा और मिसाल बन चुकी हैं। उनकी इस उपलब्धि के लिए उन्हें 26 जनवरी, गणतंत्र दिवस के अवसर पर दिल्ली में सम्मानित किया जाएगा, जो न केवल उनके लिए बल्कि पूरे जिले के लिए गौरव का विषय है।

प्रभारी मंत्री नेताम ने 266 हितग्राहियों को डीबीटी से वितरित किए 31.92 लाख रुपये

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कोरिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन से गांव-गांव में स्वच्छता की एक नई जागरूकता आई है। अब प्रत्येक परिवार खुले में शौच से परहेज कर अपने सम्मान और स्वास्थ्य के लिए पक्के जलवाहित शौचालयों का नियमित उपयोग कर रहा है। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री एवं कोरिया जिले के प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने बटन दबाकर स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत 266 हितग्राहियों को शौचालय निर्माण हेतु 31 लाख 92 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि डीबीटी (प्रत्यक्ष

लाभ अंतरण) के माध्यम से उनके बैंक खातों में अंतरित की। प्रभारी मंत्री नेताम गत दिवस जिले में विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा हेतु पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत हितग्राहियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की। लाभान्वित हितग्राहियों में जनपद पंचायत सोनहत के 97 तथा जनपद पंचायत बैकुंठपुर के 169 हितग्राही शामिल हैं। प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के माध्यम से जिले में स्वच्छता की दिशा में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। शौचालय निर्माण से न केवल स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण को बढ़ावा मिला है, बल्कि ग्रामीणों के जीवन स्तर में भी सकारात्मक परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि डीबीटी प्रणाली के माध्यम से राशि सीधे हितग्राहियों के खातों में पहुंचने से प्रक्रिया पारदर्शी, सरल और प्रभावी बनी है। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार सभी पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध एवं पारदर्शी रूप से डीबीटी के माध्यम से लाभान्वित किया जा रहा है तथा यह प्रक्रिया आगे भी निरंतर जारी रहेगी। इस अवसर पर भारतपुर-सोनहत विधानसभा क्षेत्र की विधायक श्रीमती रेणुका सिंह, कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक रवि कुमार कुर्रे, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा, उपाध्यक्ष श्रीमती वंदना राजवाड़े सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

खरीफ 2025-26 के लिए बड़ी राहत छत्तीसगढ़ में तुअर, उड़द, मूंग, सोयाबीन और मूंगफली की एमएसपी पर खरीद को मंजूरी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। भारत सरकार के ग्रामीण विकास तथा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को पत्र लिखकर अवगत कराया है कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के दौरान छत्तीसगढ़ में दाल एवं तिलहनी फसलों की खरीद के लिए मूल्य समर्थन योजना लागू करने के राज्य सरकार के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। केंद्रीय मंत्री द्वारा भेजे गए पत्र के अनुसार छत्तीसगढ़ में निम्नानुसार फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 21 हजार 330 मीट्रिक टन तुअर, 25

हजार 530 मीट्रिक टन उड़द, 240 मीट्रिक टन मूंग, 4 हजार 210 मीट्रिक टन सोयाबीन और 4 हजार 210 मीट्रिक टन मूंगफली खरीद की मंजूरी दी गई है। इन फसलों की खरीद मूल्य समर्थन योजना के अंतर्गत न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जाएगी, जिससे किसानों को अपनी उपज का उचित दाम प्राप्त होगा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने पत्र में आशा व्यक्त की है कि इस निर्णय से तुअर, उड़द, मूंग, सोयाबीन और मूंगफली उत्पादक किसानों को बड़ी राहत मिलेगी तथा उन्हें औने-पौने दाम पर फसल बेचने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ेगा।

अचानकमार टाइगर रिजर्व में अवैध प्रवेश पर सख्त कार्रवाई

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। अचानकमार टाइगर रिजर्व के प्रतिबंधित कोर जोन से लगे क्षेत्र में अवैध रूप से घुसकर हथियार लहराने के मामले में अचानकमार प्रबंधन ने सख्त कार्रवाई की है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो का संज्ञान लेते ही वन विभाग के अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस विभाग के सहयोग से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। इस दौरान 2 एयर राइफल और एक टाटा सफारी स्टॉर्म वाहन जब्त किया गया है। छत्तीसगढ़ में अचानकमार टाइगर रिजर्व प्रतिबंधित कोर जोन से लगे क्षेत्र में हथियार लहराने और गोलीबारी करने के मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान

अजीत वैष्णव (26 वर्ष), अनिकेत (27 वर्ष) एवं विक्रांत वैष्णव (36 वर्ष) के रूप में हुई है। तीनों के विरुद्ध वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम, 1972 की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर उन्हें न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से न्यायालय ने उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। विभागीय कार्रवाई के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से बैरियर गार्ड को हटा दिया गया है तथा संबंधित परिक्षेत्र अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। पूरे प्रकरण की जांच के लिए सहायक संचालक (कोर) को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि टाइगर रिजर्व क्षेत्र में अवैध प्रवेश और वन्यप्राणियों को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी कृत्य को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वन विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि सुरक्षित वन क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की जानकारी तत्काल विभाग को दें, ताकि वन्यजीवों और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

प्रभारी मंत्री ने बुजुर्ग देखभाल केंद्र की सराहना की

जीवन दीप समिति की बैठक में जिला चिकित्सालय की स्वास्थ्य सेवाओं की हुई समीक्षा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कोरिया। कलेक्टरेट सभाकक्ष, कोरिया में रविवार को प्रदेश के कैबिनेट मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम की अध्यक्षता में जीवन दीप समिति, जिला चिकित्सालय बैकुंठपुर की साधारण सभा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधायक श्रीमती रेणुका सिंह (विधानसभा भरतपुर-सोनहत), कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक श्री रवि कुमार कुर्रे, जिला वनमण्डलाधिकारी चन्द्रशेखर शंकर सिंह परदेशी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा, उपाध्यक्ष श्रीमती वन्दना राजवाड़े, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारप्रशांत सिंह,

सिविल सर्जन डॉ. आयुष जायसवाल सहित जीवन दीप समिति के सदस्य उपस्थित रहे। मंत्री नेताम ने जिला प्रशासन एवं डीएमएफ के सहयोग से प्रदेश का पहला बुजुर्ग देखभाल केंद्र प्रारंभ किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे सुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी की इस संवेदनशील पहल की सराहना करते हुए कहा कि अन्य जिलों में भी इस प्रकार के बुजुर्ग देखभाल केंद्र प्रारंभ किए जाने पर विचार किया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि इस बुजुर्ग देखभाल केंद्र में वरिष्ठ नागरिकों को निशुल्क जांच, उपचार, दवाइयां, फिजियोथेरेपी एवं पंचकर्म जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़, सुचारू एवं जनहितकारी बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान सिविल सर्जन डॉ. आयुष जायसवाल द्वारा पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जिला चिकित्सालय की स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति, मानव संसाधन की स्थिति, ओपीडी, आईपीडी, प्रसव सेवाएं, शल्य क्रियाएं, डायग्नोस्टिक सेवाएं, ब्लड बैंक, डायलिसिस, एवं एनआरसी सहित अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में जीवन दीप समिति के 7 सदस्यों की नियुक्ति के संबंध में सहमति प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त भंडार क्रय नियमों के अंतर्गत तथा छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विस कारपोरेशन से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त कर जीवन दीप समिति द्वारा दवाइयों की खरीदी किए जाने पर भी सहमति दी गई। इसी प्रकार लैब रिएजेंट्स की खरीदी के लिए भी उक्त प्रक्रिया अपनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में जीवन दीप समिति के आय-व्यय विवरण, सामान्य कचरा निस्तारण व्यवस्था, नवीन ओपीडी एवं मीटिंग हॉल के सुदृढ़ीकरण, तथा जिला चिकित्सालय में 247 लैब एवं फार्मेसी संचालन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की गई, जिन पर प्रभारी मंत्री द्वारा सहमति प्रदान की गई।

जिले में 54 समितियों के माध्यम से अब तक 3.41 लाख क्विं. धान खरीदी

अवैध धान पर कार्रवाई हेतु सीमाओं पर 24 घंटे की जा रही निगरानी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में सुचारू रूप से किसानों के मेहनत की उपज धान की खरीदी की जा रही है। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशन में जिले के सभी धान खरीदी केंद्रों पर किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थित एवं पारदर्शी तरीके से धान खरीदी का कार्य किया जा रहा है। शासन के निर्देशानुसार धान खरीदी प्रक्रिया को सुचारु, समयबद्ध और किसान हितैषी बनाया गया है। बताया गया है कि जिले में अब तक कुल 3,41,198.08 क्विंटल धान की खरीदी हो चुकी है। इसके लिए समितियों द्वारा 34,854 टोकन जारी किए गए हैं, जिनमें से 18,688 टोकन मोबाइल ऐप के माध्यम से किसानों को प्रदान किए गए। वहीं 9,879 किसानों ने 400.34 हेक्टेयर रकबा का समर्पण किया है। धान खरीदी के दौरान अवैध भंडारण, खरीदी एवं परिवहन पर रोक

लगाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है।

अब तक जप्त किया गया 47 सौ क्विं. अवैध धान

जिला प्रशासन के द्वारा अवैध रूप से धान बेचने व परिवहन के 63 प्रकरण में कार्रवाई की गई है। इस कार्रवाई में 4,708.90 क्विंटल अवैध धान जप्त किया जा चुका है। अवैध धान पर प्रशासन की टीम अपनी पैनी नजर बनाए हुए है। कलेक्टर के निर्देश पर जिले की सभी सीमाओं एवं चेक पोस्टों पर 24 घंटे सतत निगरानी की व्यवस्था की गई है। संदिग्ध वाहनों की गहन जांच के साथ रात्रिकालीन गश्त भी की जा रही है, वहीं आंतरिक चेक पोस्टों पर विशेष टीमों की तैनाती की गई है। कोचियों एवं बिचौलियों के माध्यम से अवैध रूप से धान खपाने पर रोक लगाने और खरीदी प्रक्रिया की प्रभावी निगरानी के लिए जिले में इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर स्थापित किया गया है। इसके माध्यम से धान खरीदी, भंडारण और परिवहन की रियल टाइम मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जा रही है। अवैध धान, कोचियों एवं बिचौलियों से संबंधित शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रशासन द्वारा निम्न हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। खाद्य विभाग कॉल सेंटर 1800-233-3663 इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल, कॉल सेंटर 07775-286116 जारी किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

जिला प्रशासन ने किसानों एवं आम नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की जानकारी तत्काल प्रशासन को दें, ताकि जिले में धान खरीदी व्यवस्था निष्पक्ष, पारदर्शी और सुचारु रूप से संचालित की जा सके।

विशेष गहन पुनरीक्षण, जिला स्तरीय समिति का किया गया गठन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। निर्वाचन नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के दौरान नो मैपिंग प्रकरणों के लिए ईआरओ, एईआरओ लॉगिन के माध्यम से नोटिस जारी कर संबंधितों को उपलब्ध कराया जा रहा है। ऐसे सभी प्रकरण, जिनमें ईआरओ, एईआरओ, बीएलओ द्वारा दस्तावेज अपलोड किए गए है, डीईओ लॉगिन में प्राप्त दस्तावेज के सत्यापन हेतु जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है।

जिसमें अधिकारी अजय मोडियम अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रामानुजनगर को अध्यक्ष एवं घनश्याम सिंह, उमेश कुशवाहा, श्रीमती भूपेन्द्र कुमारी बंजारे, रविन्द्र सिंह देव, अलेक्जेन्डर केरकेटटा, आनंद मिंज, सुमित सिंह व पूनम प्रकाश को सदस्य बनाते हुए समिति गठित की गई है।

मधुमक्खी पालन हेतु समूह की महिलाओं को किया गया प्रशिक्षित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। उद्यान विभाग के द्वारा समूह की महिलाओं को मधुमक्खी पालन का प्रशिक्षण दिया गया। जिला खनिज न्यास संस्थान अंतर्गत प्राप्त राशि का उपयोग जिले में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत मुस्कान महिला स्व. सहायता समूह'' को मधुमक्खी पालन के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। जिससे मधुमक्खी पालन की व्यवसाय को दक्षता के साथ कर सकें।

इसके लिए कलेक्टर के निर्देश के अनुपालन में उद्यान विभाग द्वारा आज समूहो को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर समूह की महिलाओं को मधुमक्खी पालन में उपयोग में लायी जाने वाली सामग्री का वितरण किया गया। प्रशिक्षण में बताया गया कि मधुमक्खी पालन कम लागत में अधिक मुनाफे वाला कृषि आधारित व्यवसाय है, जिसमें शहद, मोम, पराग, रॉयल जेली जैसे मूल्यवान उत्पाद मिलते है। इसके साथ ही मधुमक्खी पालन का व्यवसाय परागण में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ट्रेनर द्वारा उपस्थितो को बताया गया कि प्रशिक्षित होकर वो छोटे या बड़े स्तर पर व्यवसाय शुरू कर सकते है। या बेरोजगार युवाओं और भूमिहीन किसानों के लिए लाभ कमाने का एक अच्छा विकल्प है। इसके साथ ही उपस्थितजनों को मधुमक्खी पालन के अन्य लाभ से भी अवगत कराया गया। उन्हें बताया कि शहद की बाजार में अच्छी मांग है और यह विभिन्न बीमारियों जैसे अस्थमा, कब्ज में उपयोगी होने के कारण आसानी से बिकता है, जिससे अच्छा मुनाफा होता है।

यह जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका भी अदा करता हैं। इस कार्यक्रम में ग्राम पंचायत पहाड़गांव की सरपंच श्रीमती निरा सिंह, जयपाल सिंह मरावी, सहायक संचालक उद्यान, मंगरू राम उद्यान अधीक्षक एवं क्षेत्र में पदस्थ प्रक्षेत्र सलहाकार मंजीत यादव आदि उपस्थित रहे।

सुरक्षित आवागमन हेतु पुलिस ने आटो एवं ई-रिक्शा चालकों को दिया प्रशिक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देशन में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने हेतु राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अन्तर्गत सोमवार को यातायात पुलिस के द्वारा स्टेडियम ग्राउण्ड सूरजपुर में नगर के 65 आटो एवं ई-रिक्शा चालकों को सुगम यातायात के लिए सुरक्षा से जुड़े विषयों, आपात स्थिति से निपटने का प्रशिक्षण दिया गया तथा यातायात नियमों की जानकारी के पोस्टर वाहनों में लगाए गए। इन प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य सड़क सुरक्षा बढ़ाना, यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराना और यात्रियों व चालकों की सुरक्षा

है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रशिक्षण में यातायात पुलिस के द्वारा चालकों को यातायात नियमों से अवगत कराते हुए कहा कि नियमों का पालन करना अनिवार्य है, ताकि चालक और सफर कर रहे लोग सुरक्षित रहें। तेज गति से वाहन न चलाने, नशे का सेवन न करने और गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन या ईयरफोन का उपयोग न करने एवं वाहन से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखने के निर्देश दिए गए। चालकों को शपथ दिलाई गई और यात्रियों या सामान को ज्यादा भरकर न चलाने, नियमों का पालन न करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी, ताकि यात्रियों और आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और सड़क दुर्घटनाएं कम हो। इस अवसर पर एएसआई ब्यासदेव राय, प्रधान आरक्षक मुरीस खाखा, आरक्षक प्रेमसागर साहू, बिलोन बड़ा मौजूद रहे।

सड़क सुरक्षा माह, तारा पुलिस ने निकाली हेलमेट पहनकर बाइक रैली

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत यातायात नियमो के पालन हेतु सोमवार को जिले की तारा पुलिस ने लोगो को जागरूक करने के लिए हेलमेट पहनकर बाइक रैली निकाली। एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देशन तथा एएसपी संतोष महतो एसडीओपी प्रेमनगर नरेंद्र पूजारी के मार्गदर्शन सोमवार को हेलमेट पहनकर बाइक चलाने के लिए एक जागरूकता वाहन रैली का आयोजन हुआ। यह आयोजन तारा पुलिस की पहल से हुआ। हेलमेट पहनकर बाइक रैली निकाली गई और आस-पास के लोगों को संदेश देने की कोशिश की गई है कि तमाम मोटरसाइकिल दुर्घटनाओं में मौत होने का मुख्य वजह हेलमेट न पहनना है। जन प्रतिनिधि भी हेलमेट

जागरूकता अभियान में शामिल हुए। तारा इलाके के सालही मोड़ जनार्दनपुर तिराहा होकर निकली रैली निकाली। इस बाइक रैली के दौरान चौकी प्रभारी तारा संजय गोस्वामी के द्वारा बाइक चलाते समय हेलमेट पहनकर चलने हेतु जागरूक किया गया। इस जन जागरूकता कार्यक्रम में चौकी प्रभारी तारा संजय गोस्वामी, सहायक उप निरीक्षक लालचंद कुजूर, प्रधान आरक्षक मुक्तेश्वर वर्मा तथा अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग.
रा०प्र०क्र० / अ-20 (3) / 2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक श्री कृष्ण कुमार अग्रवाल पिता गोविन्द राम अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी ब्रम्हरोड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व की शीट नम्बर-09 मोहल्ला ब्रम्हरोड नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 886 / 1, 887 / 1, 886 / 2, 887 / 2 रकबा कमशः 0.03,1 / 2, 0.04,1 / 2, 0.03,1 / 2, 0.04,1 / 2 एकड़ भूमि एवं मकान को रूपयों की आवश्यक होने के कारण छ०ग० राज्य ग्रामीण बैंक शाख फुन्दुरडिहारी अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० में बंधक रखने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 21 / 01 / 2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकरू 24 / 12 / 2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर
जिला-सरगुजा (छ.ग.)
रा०प्र०क्र० 202501020700064 / अ-27 / 2024-25

फर्द बंटवारा का अंतिम प्रकाशन

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय के रा०प्र०क्र0 202501020700064 / अ-27 / 2024-25 पक्षकार सेवक साहू प्रति आशीष साहू वगै. में ग्राम अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 4198 / 1, 4205 रकबा क्रमशः 0.048, 0.405 हे. भूमि का फर्द बंटवारा सूची हल्का पटवारी से प्राप्त हुआ है, जिसका अंतिम प्रकाशन कराया जा रहा है। अतः उक्त फर्द बंटवारा में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 30 / 01 / 2026 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 15 / 12 / 2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी(रा0) सूरजपुर
जिला सूरजपुर (छ.ग.)
क्र. एफ-453 / खाद्य-दुकान आबं. 38 / 2025 सूरजपुर दिनांक 26.12.2025

ईश्तहार

इस सार्वजनिक ईश्तहार के माध्यम से आमजनों / सहकारी समितियों / वृहदाकार आदिम जाति बहुउद्देशीय सहकारी समिति (लेम्पस) / प्राथमिक कृषि साख समिति / वन सुरक्षा समिति / महिला स्वयं सहायता समूह / ग्राम पंचायत / अन्य उपभोक्ता सहकारी समिति तथा स्थानीय नगरीय निकाय को सूचित किया जाता है कि नवीन प्रस्तावित शासकीय उचित मूल्य दूकान आमापारा ग्राम पंचायत कोरेया का आवंटन किया जाना है। अतः शा.उ.मूल्य दुकान संचालन करने के इच्छुक पात्र संस्था अपना आवेदन दिनांक 15.01.2026 तक कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे में इस कार्यालय में उपस्थित होकर निर्धारित प्रारूप में संस्था के प्रस्ताव सहित अन्य स्वप्रमाणित दस्तावेजो के साथ प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदनों पर कोई विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 26 / 12 / 2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
सूरजपुर. जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी(रा0) सूरजपुर
जिला सूरजपुर (छ.ग.)
क्र. / 449 / खाद्य-दुकान आबं. / 2025
सूरजपुर दिनांक 22.12.2025

ईश्तहार

इस सार्वजनिक ईश्तहार के माध्यम से आमजनों / सहकारी समितियों / वृहदाकार आदिम जाति बहुउद्देशीय सहकारी समिति (लेम्पस) / प्राथमिक कृषि साख समिति / वन सुरक्षा समिति / महिला स्वयं सहायता समूह / ग्राम पंचायत / अन्य उपभोक्ता सहकारी समिति तथा स्थानीय नगरीय निकाय को सूचित किया जाता है कि शासकीय उचित मूल्य दूकान ग्राम पंचायत कुम्दा बस्ती आई.डी. 392009054 का नवीन आबंटन किया जाना है। अतः शा.उ.मूल्य दुकान संचालन करने के इच्छुक पात्र संस्था अपना आवेदन दिनांक 10. 01. 2026 तक कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे में इस कार्यालय में उपस्थित होकर निर्धारित प्रारूप में संस्था के प्रस्ताव सहित अन्य स्वप्रमाणित दस्तावेजो के साथ प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदनों पर कोई विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 22 / 12 / 2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
सूरजपुर. जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

अवैध उत्खनन की चपेट में केतका जंगल, स्कूल के समीप स्थित क्रेशरो से बच्चे परेशान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिला मुख्यालय से महज 7 किमी दूर स्थित ग्राम देवीपुर आज गंभीर पर्यावरणीय संकट और प्रशासनिक लापरवाही का उदाहरण बनता जा रहा है। ग्राम में स्थित शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला,

शिवसेना ने सौंपा ज्ञापन, जांच व कार्रवाई की मांग

जहाँ रोज़ाना बड़ी संख्या में बच्चे पढ़ने आते हैं, उक्त स्कूल ग्राउंड में विद्युत ट्रांसफार्मर लगा हुआ है, जो कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकता है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि विद्यालय से मात्र लगभग 200 मीटर की दूरी पर एक नहीं बल्कि कई गिट्टी क्रेशर प्लांट संचालित हैं। स्कूल तक जाने वाला रास्ता इन्हीं क्रेशर प्लांटों की ओर जाता है, जहाँ से दिन-रात ट्रैक्टर और भारी ट्रकों की आवाजाही होती रहती है। इससे पूरे क्षेत्र में घातक धूल, प्रदूषण और शोर फैल रहा है, जिसका

सीधा असर बच्चों की पढ़ाई और स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। प्रदूषण के कारण बच्चों और ग्रामीणों में दमा, सांस की बीमारी, आंखों में जलन, त्वचा रोग जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। इसके बावजूद संबंधित विभागों द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। मामला यहीं तक सीमित नहीं है। ग्राम देवीपुर से सटे केतका जंगल क्षेत्र में बड़े पैमाने पर उत्खनन किया जा रहा है। जंगल की भूमि पर भारी मशीनें चलने से पेड़ों की कटाई, वन संपदा का विनाश और पर्यावरण संतुलन बिगड़ता जा रहा है। गांव में अधिकांशतः आदिवासी एवं मूल के परिवार रहते हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि अवैध उत्खनन और क्रेशर संचालन से जुड़े प्रभावशाली लोगों द्वारा उन्हें डराया-धमकाया जाता है, जिससे वे खुलकर विरोध नहीं कर पाते। आरोप है कि इस पूरे खेल में पंचायत के कुछ अधिकारी, निर्वाचित जनप्रतिनिधि और जिला स्तर के कुछ भ्रष्ट अधिकारी आर्थिक लाभ उठा रहे हैं। इन्ही समस्याओं की ओर शिवसेना ने प्रशासन का ध्यानाकर्षण कराते हुए मांग कि है कि स्कूल परिसर से तत्काल ट्रांसफार्मर हटाया जाए, क्रेशर प्लांटों और उत्खनन की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। यदि समय रहते प्रशासन नहीं जागा, तो आने वाले समय में यह क्षेत्र गंभीर स्वास्थ्य और पर्यावरण आपदा की ओर बढ़ सकता है। ज्ञापन सौंपने में जिला प्रमुख विष्णु वैष्णव, ग्रामीण जिला प्रमुख हेमंत कुमार महंत, ब्लॉक प्रमुख मोहन सिंह टेकाम ,महिला जिला अध्यक्ष पिंकी पटेल, बालकुंवर राजवाड़े,रजनी सिंह, अन्य शिव सैनिक शामिल रहे।

स्थानीय अवकाश घोषित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन ने वर्ष 2026 के लिए स्थानीय अवकाश घोषित किया है। इसके अंतर्गत 22 सितम्बर को करमा, 19 अक्टूबर को दशहरा एवं 20 नवम्बर को देव उठनी एकादशी व नामदेव जयंती पर स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है। यह आदेश बैंक एवं कोषालय पर लागू नहीं होगा।

जिले में अब तक 1332558.80 क्विंटल धान की खरीदी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में जिले में अब तक 49 समितियों में किसानों से कुल 1332558.80 क्विंटल धान की खरीदी की गई है, साथ ही 159810 क्विंटल धान मीलिंग हेतु राईस मिलरों द्वारा उठाव कर लिया गया है।

जिले के 49 धान उपार्जन केन्द्र जिसमें धान खरीदी केन्द्र कपिलदेवपुर में 21874 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। इसी प्रकार बादा में 14886.80, कुसमी में 25179.60, जवाहरनगर में 14763.60, कामेश्वरनगर में 56791.60, कोदवा में 7666.80, गोपालपुर में 20371.20, भेंडरी में 11620, चांदों में 42958.80, जमड़ी में 54635.60, जिगड़ी में 12721.20, जोकापाट में 7224.80, डूमरपान में 29711.60, डिण्डों में 37300, डीपाडीह में 18178.40, डोंगरो में 18750.80, गांजर में 12495.20, त्रिकुण्डा में 35578.80, बगरा में 21974.40, तातापानी में 26658.80, धंधापुर में 38609.60, डौरा में 23736, पस्ता में 14058.40, बड़कागांव में 38499.60, बरतीकला में 34841.60, बरदर में 23335.20, आरा में 12462, बरियों में 34536.40, बलंगी में 23166.40, बलरामपुर में 41291.20, बसंतपुर में 36645.20, भुलसीकला में 12494, भंवरमाल में 41546, रामानुजगंज 27088.80, महाराजगंज में 45149.20, महावीरगंज में 22069.20, विजयनगर में 37582.80, रघुनाथनगर में 26559.60, रनहत में 25138, राजपुर में 53946.40, दोलंगी में 20925.20, रामचन्द्रपुर में 20594.80, रामनगर में 35355.20, वाड्रफनगर में 22595.60, स्याही में 22458.40, विरेन्द्रनगर में 39518, सरना में 27623.20, सेवारी में 31212 एवं सामरी में 8278.80 क्विंटल धान किसानों से खरीदी की गयी है।

Name Change

I SNEHA SHREE D/O SHIV KUMAR GUPTA Resident Of House No. 114, Gosvami Para Ramanujganj Balrmpur Chhattisgarh 497220, Hereby declare that have changed my name from SNEHA SHREE D/O SHIV KUMAR GUPTA to from SNEHA SHREE GUPTA D/O SHIV KUMAR GUPTA In All The Government approved identity proofs to be used for various purposes in the future.

Deponent
SNEHA SHREE GUPTA
D/O SHIV KUMAR GUPTA
Resident Of House No. 114, Gosvami Para Ramanujganj Balrmpur Chhattisgarh 497220,

प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना से संवरी मातृत्व देखभाल

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए एक वित्तीय सहायता प्रदान करती है। इस योजना का उद्देश्य माताओं को पर्याप्त पोषण और आराम सुनिश्चित करने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करना है, इस योजना के तहत पहले बच्चे के जन्म पर 5,000 रुपये और दूसरे बच्चे के जन्म पर (अगर वह लड़की है) 6,000 रुपये दिए जाते हैं।

बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के विकासखण्ड शंकरगढ़ के आंगनबाड़ी केन्द्र शंकरगढ़ की हितग्राही श्रीमती रम्भा यादव सशक्त उदाहरण हैं। गर्भावस्था के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की मदद से योजना का पंजीयन कराने के बाद उन्हें नियमित स्वास्थ्य सेवाएं मिलीं। योजना की पहली किस्त में प्राप्त तीन हजार रुपए से उन्होंने पौष्टिक आहार और दवाइयां खरीदीं। वहीं प्रसव उपरांत संस्थागत प्रसव और शिशु टीकाकरण के बाद दूसरी किस्त के रूप में दो हजार रुपए और मिले। इस प्रकार कुल 5 हजार रुपए की आर्थिक सहायता से कमला और उनके शिशु की बेहतर देखभाल संभव हो सकी।

श्रीमती रम्भा यादव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें योजना से आर्थिक मदद तो मिली ही, साथ ही सही समय पर स्वास्थ्य जांच और पोषण आहार भी उपलब्ध हुआ। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद दिया है।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन
हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा
अम्बिकापुर
मो. 9713108088
8719000259

कोरिया फ्रंटलाइन

नागपुर हाल्ट- चिरमिरी रेल विस्तार परियोजना में किसानों का आक्रोश

ग्रामीण किसानों ने पूर्व विधायक को दिया आवेदन, मुआवज़े में भारी भेदभाव का लगाया आरोप

छ.ग.फ्रंटलाइन मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी) । एमसीबी जिले में नागपुर हाल्ट- चिरमिरी रेल विस्तार परियोजना के तहत भूमि अधिग्रहण को लेकर किसानों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। परियोजना से प्रभावित ग्राम बंजी और चिरईपानी के किसानों ने पूर्व विधायक गुलाब कमरो से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा और प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। किसानों का कहना है कि उनकी भूमि का मुआवज़ा वर्तमान बाजार दर से बहुत कम तय किया गया है, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसानों ने मांग की है कि उन्हें चार गुना मुआवज़ा, सरकारी गाइडलाइन दरों में संशोधन, उचित पुनर्वास और स्थायी रोजगार उपलब्ध कराया जाए।

ग्राम सभा में भ्रामक आश्वासन का आरोप

प्रभावित किसानों का आरोप है कि प्रशासन ने ग्राम सभा के दौरान भ्रामक आश्वासन देकर सहमति ली, जबकि वास्तविकता में मुआवज़ा निर्धारण में पारदर्शिता नहीं बरती गई। किसानों का कहना है कि उन्हें परियोजना के दुष्परिणामों और वास्तविक मुआवज़ा दरों की सही जानकारी नहीं दी गई।

पड़ोसी गांवों से दरों में भारी अंतर

किसानों ने ज्ञापन में उल्लेख किया कि सूची के अनुसार सरभोका, सरौला, सेंधा, नागपुर और सिरियाखोह जैसे आसपास के गांवों की भूमि दरें काफी अधिक रखी गई हैं, जबकि बंजी और चिरईपानी की भौगोलिक स्थिति इन गांवों के समान या उनसे बेहतर है। इसके बावजूद इन गांवों की दरें कम तय करना किसानों के साथ अन्याय है।

पुरानी गाइडलाइन दरों से नुकसान

किसानों ने बताया कि बंजी और चिरईपानी की वर्तमान सरकारी गाइडलाइन दरें पड़ोसी विकसित गांवों की तुलना में काफी कम हैं। पुरानी और कम दरों के आधार पर मुआवज़ा तय करने से किसानों को गंभीर आर्थिक क्षति होगी, जिसे वे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं करेंगे।

खैरबना के किसानों ने भी जताई नाराज़गी

उल्लेखनीय है कि इससे पहले ग्राम पंचायत खैरबना के 23 किसानों ने भी भूमि अधिग्रहण में उचित मुआवज़ा न मिलने को लेकर पूर्व विधायक गुलाब कमरो को आवेदन सौंपा था। किसानों ने तब भी आरोप लगाया था कि मुआवज़ा निर्धारण पारदर्शी तरीके से नहीं किया गया, जिससे उनमें भारी नाराज़गी है।

पूर्व विधायक गुलाब कमरो का आश्वासन

ज्ञापन सौंपे जाने के बाद पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने किसानों की समस्याओं को गंभीर बताते हुए कहा कि वे किसानों के साथ हैं और उनकी मांगों को शासन व प्रशासन के समक्ष मजबूती से उठाएंगे। उन्होंने कहा कि किसानों के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होने दिया जाएगा। फिलहाल, नागपुर हाल्टङ्कचिरमिरी रेल विस्तार परियोजना में मुआवज़े को लेकर उठे सवाल प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बनते नजर आ रहे हैं, और आने वाले दिनों में यह मुद्दा और तूल पकड़ सकता है।

विलुप्त होती बहुरूपिया कला को मिला नया जीवन

चिरमिरी में 11वां बहुरूपिया महोत्सव बना आकर्षण का केंद्र

छ.ग.फ्रंटलाइन मनेन्द्रगढ़/चिरमिरी (एमसीबी)। विलुप्त होती पारंपरिक बहुरूपिया कला को संरक्षण देने और नववर्ष को उल्लासपूर्ण बनाने के उद्देश से युथ क्लब चिरमिरी द्वारा आयोजित 11वां वार्षिक बहुरूपिया महोत्सव इस वर्ष भी भव्यता और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। बहुरूपिया कलाकारों ने अपनी अद्भुत भाव-भंगिमाओं, सशक्त अभिनय और कलात्मक वेशभूषा के माध्यम से नगरवासियों सहित दूर-दराज से आए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। प्रतियोगिता में एकल एवं समूह वर्ग के कलाकारों ने भाग लिया। कलाकारों ने कांतारा, नरसिंह अवतार, मां काली, सांई बाबा, महारानी, कोयला श्रमिक, मुर्गा, योगा, भालू, प्रभु श्रीराम, यमराज, बाबा जगन्नाथ सहित जंगल बचाओ, पर्यावरण संरक्षण और माता-पिता की सेवा जैसे सामाजिक संदेशों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। इन प्रस्तुतियों ने न केवल स्वस्थ मनोरंजन किया, बल्कि समाज में जागरूकता का संदेश भी दिया। बहुरूपिया कलाकार हल्दीबाड़ी के मुख्य मार्गों में घूम-घूमकर अपनी कला का प्रदर्शन करते रहे, जिससे पूरे नगर में उत्सव जैसा माहौल

बना रहा। विभिन्न स्थानों पर नियुक्त निर्णायकों द्वारा कलाकारों का मूल्यांकन कर एकल एवं समूह वर्ग में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्रदान किए गए। महोत्सव देखने उमड़े जनसमुदाय ने कलाकारों का उत्साहवर्धन किया और उनके साथ सेल्फी लेने के लिए लोगों की लंबी कतारें लगी रहीं। बहुरूपिया कलाकारों के शानदार प्रदर्शन के उपरांत अतिथियों द्वारा प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए गए। एकल वर्ग में 'योगा से होता है सभी बीमारी का हल' विषय पर प्रस्तुति देने वाले कलाकार को प्रथम पुरस्कार मिला, वहीं समूह वर्ग में 'माता-पिता की सेवा कैसे करनी चाहिए' विषय पर आधारित प्रस्तुति ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सभी प्रतिभागी कलाकारों को सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक एवं प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल, चिरमिरी महापौर रामनरेश राय, पूर्व विधायक विनय जायसवाल सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत और सनातन संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। पिछले 11 वर्षों में इस वर्ष का आयोजन अद्भुत और ऐतिहासिक रहा। उन्होंने युथ क्लब चिरमिरी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन लोककलाओं को जीवित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सोनहत धान खरीदी केंद्र में भाई भतीजा वाद जारी मुल भुत सामग्री अपने सगे रिश्ते दारी के दुकान से ले रहे हैं ऊंची बिल लगाकर शासन की पैसे की दुरूपयोग

छ.ग.फ्रंटलाइन सोनहत। मुख्यालय सोनहत के धान खरीदी केंद्र में भाई भतीजा लागु है पदस्त हमाली भी प्रबंधक के करीबी रिश्तेदार है ये मुल भुत सामग्री धान खरीदी केंद्र में लगने वाले भी ये अपने सगे रिश्तेदार के यहां से समान लेते हैं जैसे पन्नी तिरपाल ये अपने हिसाब से लेकर दुकानदार से मिली भगत कर ये ऊंची रेट की बिल लगाते हैं जबकि सोनहत में ही कम दाम में पन्नी तिरपाल उपलब्ध है लेकिन प्रबंधक को कही से फायदा के अलावा नुकसान न हो स्थानीय व्यापारियों में प्रबंधक के प्रति आक्रोश है लोकल स्थानीय व्यापारियों से न लेकर ये अपने सांठ गांठ वाले रिश्तेदारों से लेते हैं जबकि मुल भुत सामग्री लेने से पहले रेट भाव प्रबंधक एवं कमेटी द्वारा पता कराई जाती है या सार्वजनिक डिमांड कराई जाती है क्योंकि कि बिल बहुत ही ऊंची रेट वाली लगाई जाती है ये हर साल पन्नी तिरपाल खरीदते हैं आखिर ये पन्नी तिरपाल कहां जाती है क्या एक सीजन में ही तिरपाल नष्ट हो जाती है हर साल प्रबंधक अपने खास रिसतेदार को फायदा पहुंचाती है जिससे सरकार के पैसे का दुरूपयोग हो रहा है किसानों का धान मानक के हिसाब से ज्यादा लेना प्रथा स्वरूप ज़ारी है स्थानीय दुकानदारों से संपर्क करना आवेदन और दस्तावेजी करण दुकानों से खरीददारी सरकार द्वारा आपुति न की गई हो तो जन हित में बोली लगवाकर बाजार से तिरपाल या मुलभुत सामग्री प्रबंधक कमेटी द्वारा खरीदा जा सकता है प्रबंधक सोनहत राज नरायन पैकरा से दुरभाष से संपर्क किया गया तो बताये कि दुसरे भाई ने लाकर मेरे को दिया है बैठकर आपस में समझ लेंगे ये हमारी समस्या है

मानवता की मिसाल -प्रिया विश्वकर्मा

छ.ग.फ्रंटलाइन मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी) । प्रिया एक ऐसी लड़की की कहानी जो मेट्रो शहर पुणे इंदौर दिल्ली से बैचलर ऑफ़ फॉरेन ट्रेड और एमबीए की पढ़ाई करने के बाद कुछ वर्ष एमएनसी में जॉब करने के बाद अपने शहर मनेंद्रगढ़ में लौटकर पशु पक्षी की सुरक्षा और बचाव के लिए कार्य कर रही है । कोई दिखावा नहीं कोई नाम नहीं सिर्फ सेवा ही करना इनका मुख्य उद्देश्य है । प्रिया विश्वकर्मा पशु पक्षियों के संरक्षण के साथ आयुर्वेद की भी विशेष जानकारी रखती हैं । इस चकाचौंध दुनिया में जब इंसान मानवता भूल चुका है तब पशु पक्षियों की सेवा करना उनको बचाना ही इनका मुख्य उद्देश्य है । वह शहर में लोगों को आयुर्वेद के बारे में जानकारी देना चाहती है । इस शहर को कैसे साफ़ रखा जाए लोगों को जागरूक करना चाहती है । अपनी इस प्रेरणा के लिए वह अपने माता-पिता भाई दोस्तों को देती है जिन्होंने उनके अंदर सेवा भावना का दिया जलाया। सड़क किनारे किसी वाहन के द्वारा गाय को ठोकर मार दिया गया उस गाय को अपने घर में लाकर पिछले 6-8 माह से सेवा करना काबिले तारीफ है । इसी प्रकार का इलाज करवाना उन्हें अपने आप में संतुष्टि प्रदान करता है । ऐसे ही एक कौवा घायल होकर उनके छत पर आकर गिरा उसका पूरा इलाज करवाना मानवता की प्रेरणा देता है । उनका कहना है यह मुख बधिर पशु पक्षी जो बोल नहीं सकते इन्हें किसी प्रकार की तकलीफ ना हो आम जनमानस को इसका ध्यान रखना चाहिए। यह संपूर्ण मनेंद्रगढ़ वासियों से आग्रह करती है कि कृपया मानव के साथ-साथ इन पशु पक्षियों के भी ध्यान रखें किसी भी घायल पशु पक्षी अगर दिखे तो उसका इलाज करवाये कोई इंसान अगर ना करवा सके तो वह मुझे बताएं मैं करवाऊंगी। वैसे भी हिंदू धर्म में पशु पक्षियों की सेवा का बहुत महत्व है । गाय को गाय माता कहा जाता है कुत्तों को भैरव का अवतार कहा जाता है पशु पक्षियों को दाना खिलाने से आपके नक्षत्र अच्छे होते हैं ऐसे हिंदू धर्म में मान्यता है। इसलिए संपूर्ण मानव समाज को भी इनका ध्यान रखना चाहिए। भविष्य में पशु पक्षियों के संरक्षण के लिए बहुत सी योजनाएं चलाने का इनका विचार है इसके साथ ही हमारा शहर कैसे साफ सुथरा रहे उसके लिए भी इनके पास बहुत से विचार है जिसे वह नगर पालिका प्रशासन के साथ मिलकर शहर को साफ सुथरा कैसे रखा जाए इस पर कार्य करेंगी ।

सी एम एच ओ कोरिया के आदेश के बाद भी सोनोग्राफी चिकित्सक नहीं आते सोनोग्राफी लैब सेवा ठप पड़ा है

छ.ग.फ्रंटलाइन सोनहत। विकास खंड मुख्यालय सोनहत के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सी एम ओ कोरिया के आदेश के बाद भी सोनोग्राफी चिकित्सक नहीं आते है। इससे अस्पताल में सोनोग्राफी की सेवा प्रसूति महिलाओं को नहीं मिल पा रही है। गौरतलब है, लगभग 6 माह पहले चिकित्सक श्रेष्ठ मिश्रा को सोनहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रत्येक माह की10एवं 25तारीख को सोनोग्राफी सेवा देने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कोरिया द्वारा आदेश दिया गया ।लेकिन उक्त चिकित्सक अब तक किसी भी माह में अस्पताल में उपस्थित होकर इस सेवा का लाभ अब तक नहीं दिए है। इसको लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश है।क्योंकि सी एम ओ के आदेश के बाद भी चिकित्सक द्वारा एक दिन भी सोनोग्राफी नहीं किया गया है मिश्रा 6 माह पहले सोनहत सी एच सी के बी एम ओ के प्रभारी थे।तब भी मुख्यालय में नहीं रहते थे। वे कभी कभार अस्पताल मनमुताबिक आते थे।सोनोग्राफी भी नियमित नहीं करते थे। इसकी जनप्रतिनिधि से लेकर ग्रामीणों ने कई बार शिकायत की। अंततः शिकायत के बाद उन्हें बी एम ओ सोनहत के प्रभार से हटाना पड़ा।और पटना सी एच सी का प्रभारी बना दिया गया। और उसके बाद महीने में दो दिन 10 एवं 25 तारीख को सोनहत में सोनोग्राफी करने सी एम एच ओ कोरिया द्वारा आदेशित किया गया।लेकिन वे अब तक एक भी दिन सेवा नहीं दे सके है। इसको लेकर लोगों में आक्रोशहै।

1.सोनोग्राफी चिकित्सक के नहीं आने से सोनोग्राफी रुम में ताला लटका

2.सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनहत

कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र खड़गवां - क्षेत्रीय विकास की ऐतिहासिक सौगात

छ.ग.फ्रंटलाइन एमसीबी। जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के इतिहास में सोमवार को एक स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया, जब विक्रम संवत 2082 माघ मास कृष्ण पक्ष द्वितीया तिथि के शुभ अवसर पर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र खड़गवां के नवीन भवन का विधिवत भूमिपूजन गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। लगभग 9 करोड़ 46 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाला यह आधुनिक एवं बहुउद्देशीय भवन क्षेत्र के किसानों, युवाओं एवं कृषि अनुसंधान के क्षेत्र में मील का पत्थर सिद्ध होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन में आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण, जैव प्रौद्योगिकी, मत्स्य पालन तथा पशुधन विकास विभाग एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री रामविचार नेताम रहे। समारोह की अध्यक्षता लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास तथा 20 सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग के मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यह कृषि महाविद्यालय क्षेत्रीय विकास, किसानों के सशक्तिकरण और कृषि आधारित शिक्षा के विस्तार में दूरगामी भूमिका निभाएगा तथा पूरे अंचल के लिए परिवर्तनकारी सिद्ध होगा। विशेष अतिथि के रूप में जनपद पंचायत खड़गवां अध्यक्ष श्रीमती श्यामबाई मरकाम, उपाध्यक्ष श्री विरेंद्र सिंह करियाम, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती प्रिया सिंह, जनपद सदस्य श्री युगांतर श्रीवास्तव, ग्राम पंचायत पोड़ीडीह की सरपंच सुश्री जया मरावी एवं ग्राम पंचायत खड़गवां के सरपंच श्री सुखित लाल अगरिया सहित वरिष्ठ नागरिग एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कृषि महाविद्यालय भवन का भूमिपूजन प्रभारी मंत्री श्री रामविचार नेताम एवं मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल सहित सभी जनप्रतिनिधियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधिवत पूजा-अर्चना के साथ संपन्न हुआ। समारोह में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, किसान, छात्र एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम में उत्साह, उल्लास और विकास की नई उम्मीदें स्पष्ट रूप से देखने को मिलीं। प्रभारी मंत्री श्री रामविचार नेताम ने अपने संबोधन में कहा कि कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र खड़गवां की स्थापना क्षेत्र के लिए एक दूरदर्शी और ऐतिहासिक निर्णय है। यह महाविद्यालय माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी की स्वीकृति से संभव हो सका, जिसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि इस महत्त्वपूर्ण उपलब्धि के पीछे स्थानीय विधायक एवं कैबिनेट मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल जी के सतत प्रयास और प्रतिबद्धता का

महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि यह संस्थान इसलिए स्थापित किया गया है ताकि क्षेत्र के बेटे-बेटियाँ कृषि, उद्यानिकी एवं संबंधित विषयों की उच्च शिक्षा अपने ही अंचल में प्राप्त कर सकें और उन्हें बड़े शहरों की ओर पलायन न करना पड़े। कृषि शिक्षा के माध्यम से युवाओं को रोजगारोन्मुखी बनाकर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में यह एक निर्णायक कदम है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि जिले के लगभग 80 प्रतिशत लोग खेती-बाड़ी पर निर्भर हैं। कृषि महाविद्यालय के माध्यम से किसानों को प्रशिक्षण मिलेगा, जिससे वे दो या तीन फसल उगा सकेंगे और अपने जीवन स्तर को बेहतर बनाएंगे। उन्होंने बताया कि सरकार कृषि को केवल पारंपरिक खेती तक सीमित न रखते हुए मिश्रित एवं बहु-आय आधारित कृषि मॉडल को बढ़ावा दे रही है। कम पानी में अधिक लाभ देने वाली फसलों-जैसे बाजरा, रागी, ज्वार, मक्का जैसे मोटे अनाजों के उत्पादन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। साथ ही दलहन, तिलहन, सरसों, मूंग, उड़द की खेती के साथ मछली पालन, मुर्गी पालन एवं पशुपालन को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। जल संरक्षण एवं सीमित सिंचाई के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री जनमन योजना एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पूरे प्रदेश में 18 लाख आवासों का निर्माण किया जा रहा है, जिससे हर गरीब परिवार को पक्का आवास मिल सके। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री ने क्षेत्र में नवीन पशु औषधालय भवन की स्वीकृति की घोषणा भी की, जिससे पशुओं के उपचार, टीकाकरण एवं स्वास्थ्य सेवाओं में सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही कृषि महाविद्यालय खड़गवां में छात्रावास एवं महाविद्यालय से संबंधित आवश्यक सेटअप की मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में क्षेत्र में और भी विकास कार्यों का शुभारंभ किया जाएगा। कार्यक्रम में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन के अधिकारियों, पुलिस अधीक्षक, कलेक्टर एवं समस्त विभागीय अधिकारियों का आभार व्यक्त किया गया।

जिले के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अपने सम्बोधन में कहा कि जिले के खड़गवां विकासखंड में शिक्षा, सड़क और स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हो रही है। इसके लिए आदरणीय रामविचार नेताम, जो वर्तमान में मंत्री और जिले के प्रभारी हैं, ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पिछले 15 वर्षों में उनके प्रयासों से खडगामा ब्लॉक में 46 हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूल, दो कॉलेज, एक कृषि महाविद्यालय, एक एकलव्य विद्यालय और स्वामी आत्मानंद स्कूल स्थापित किए गए हैं। सड़क निर्माण के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य हुआ है। जिले में लगभग 200 सड़क परियोजनाएं चल रही हैं। खडगांव ब्लॉक में हाल ही में 28 नई सड़कें स्वीकृत हुई हैं, जबकि जनकपुर क्षेत्र में लगभग 100 सड़कें निर्माणाधीन हैं। स्वास्थ्य सेवाओं में भी सुधार हो रहा है। महेंद्रगढ़ में मेडिकल कॉलेज और चिरमिरी में जिला अस्पताल का निर्माण जारी है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह का भी धन्यवाद किया और कहा कि सरकार के सहयोग से खड़गवां विकासखंड अब पहले जैसा नहीं रहा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर (छ.ग.) पिन नं. 497001 से मुद्रित व महलपारा बैकुण्ठपुर से प्रकाशित। संपादक- कमलेश शर्मा